कोटद्वार, शनिवार
28 फरवरी 2026
वर्ष: 48
अंक: 274 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

एक माह से लापता बुजुर्ग का शव जंगल में मिला

चमोली। रुद्रप्रयाग के ग्राम थपला से लापता एक बुजुर्ग का शव रैता गांव के जंगल में सड़ी गली हालत में मिला है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में ले लिया।पोखरी थानाध्यक्ष देवेंद्र पंत ने बताया कि बृहस्पतिवार को दुगीधार चौकी रुद्रप्रयाग से सूचना मिली की पोखरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रैता गांव में एक शव पड़ा है। यह शव अमर सिंह पुत्र आनंद सिंह निवासी ग्राम थप्पल थाना व जिला रुद्रप्रयाग का है जो करीब एक माह से लापता चल रहे थे। परिजनों ने रुद्रप्रयाग कोतवाली में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पोखरी थानाध्यक्ष ने बताया कि बृहस्पतिवार को रात होने के कारण शुक्रवार को पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव उपजिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग भेज दिया गया है। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि अमर सिंह मानसिक रूप से अस्वस्थ थे और अक्सर बिना बताए घर से चले जाते थे। एक माह पहले भी वे बिना बताए चले गए थे।

एयरपोर्ट पर छूटा सामान मंगाने को पांच रुपये दिए तो खाते से उड़े 1.63 लाख

देहरादून। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर छूटा अपना ही सामान वापस पाने की उम्मीद करना एक दंपती को भारी पड़ गया। साइबर ठगों ने सामान की होम डिलीवरी के नाम पर मात्र पांच रुपये का शुल्क मांगा और उनके बैंक खातों से 1.63 लाख रुपये उड़ा लिए। शिकायत पर बसंत विहार थाना पुलिस ने गुरुवार को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीएमएस रोड नर्मदा एन्क्लेव निवासी अरविंद कृष्ण गुप्ता के अनुसार बीते 17 फरवरी को जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर उनका कुछ सामान छूट गया था। उनकी पत्नी ने गूगल से एयरपोर्ट का सहायता नंबर खोजकर कॉल किया। जो नंबर गूगल से मिला वह साइबर ठगों ने डाला हुआ था। जालसाज ने बातों में उलझाकर सामान की डिलीवरी के लिए पांच रुपये का यूपीआई भुगतान करने को कहा। आरोपियों के कहे अनुसार पत्नी ने जैसे ही अपने और पति के मोबाइल से 5–5 रुपये भेजे, उनके दोनों फोन हैक हो गए। देखते ही देखते शातिरों ने उनके तीन अलग–अलग बैंक खातों से कुल 1.63 लाख रुपये रुपये निकाल लिए। एसओ बसंत विहार अशोक राठौर ने बताया कि शिकायत पर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

भारत में हर साल सड़क हादसों में करीब 2 लाख मौतें, .नितिन गडकरी ने बताया सच

नई दिल्ली ,केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में सड़क सुरक्षा पर तीसरे नेशनल कॉन्क्लेव में हिस्सा लिया।इस कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा, 'भारत में हर साल सड़क हादसों की वजह से करीब पांच लाख एक्सीडेंट होते हैं और 1.80 लाख मौतें होती हैं।'

नितिन गडकरी ने इन हादसों को लेकर कहा कि लोगों के व्यवहार में बदलाव और ट्रैफिक कानूनों को लागू करना, सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने में देश की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं।सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया, देश में ओवरस्पीडिंग से हर साल करीब 1,20,000 मौतें होती हैं, जबकि हेलमेट न पहनने से 54,000 से ज्यादा मौतें होती हैं और सीट बेल्ट न पहनने से 14,000 से ज्यादा मौतें होती हैं।नितिन गडकरी ने गाड़ी में मिलने वाली सेफ्टी को लेकर कहा, भारत के ऑटोमोबाइल स्टैंडर्ड को ग्लोबल नॉर्म्स के हिसाब से बनाया जा रहा है। गाड़ी में अब छह एयरबैग जरूरी हैं। भारी गाड़ियों के लिए नई टेक्नोलॉजी भी लाई जा रही हैं जो इमरजेंसी में ऑटोमैटिक ब्रेक लगा सकती हैं।

अफगानिस्तान–पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर

इस्लामाबाद ,अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अफगानिस्तान के प्रमुख मीडिया संस्थान की एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगान सेना ने अपने हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाले पाकिस्तान के एक स्न–16 लड़ाकू विमान को मार गिराने का दावा किया है।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तानी एयरक्राफ्ट अफगानिस्तान के एयरस्पेस में घुस आया था, जिसके बाद कार्रवाई करते हुए उसे निशाना बनाया गया। हालांकि, इस दावे की अब तक कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

डमी परीक्षार्थियों का प्रवेश पत्र बनाने वाला प्रिंसिपल गिरफ्तार

हरिद्वार। उत्तराखंड बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में 'डमी' परीक्षार्थी बैठाने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इस मामले में रानीपुर कोतवाली पुलिस ने अल्मोडिया इस्लामिक हाईस्कूल ज्वालापुर के प्रिंसिपल चंगेज अंसारी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी आशुतोष सिंह राणा के अनुसार, आरोपी ने आठ से 12 हजार रुपये लेकर फर्जी प्रवेश पत्र तैयार कराए और असल छात्रों की जगह दूसरे परीक्षार्थियों को बैठाया। बता दें कि, 24 फरवरी को दसवीं की हिंदी परीक्षा के दौरान राईका सलेमपुर में आठ परीक्षार्थी संदिग्ध पाए गए। जांच में सामने आया कि चार छात्र और चार छात्राएं वास्तविक परीक्षार्थी नहीं थे। कक्ष निरीक्षकों की सतर्कता से यह मामला पकड़ में आया। तब प्रिंसिपल चंद्र द्विवेदी की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद सात आरोपियों को हिरासत में लेकर फर्जी प्रवेश पत्र बरामद किए गए, जबकि एक आरोपी फरार हो गया था। व्हाट्सऐप ग्रुप से चलती थी कोचिंग पुलिस के अनुसार, मुख्य साजिशकर्ता 40 वर्षीय चंगेज अंसारी पुत्र जहीर अंसारी निवासी मेन रोड मोहल्ला चौहान ज्वालापुर 'द सक्सेज प्वॉइंट' नाम से व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिए कोचिंग चला रहा था। ट्यूशन के नाम पर उसने एक छात्रा के परिजनों से बोर्ड परीक्षा पास कराने के लिए 8 से 12 हजार रुपये लिए और दूसरी छात्रा की फोटो लगाकर फर्जी प्रवेश पत्र तैयार कराया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया है।

कार दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर मौत

उत्तरकाशी। विकासखंड के ढुइंक गांव से डामटा जा रही एक कार अनियंत्रित होकर रिखाऊंखड्ड के समीप खाई में गिरने के बाद यमुना नदी में जा गिरी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पर कार में सवार दो युवकों को बाहर निकाला गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। यमुनोत्री हाइवे पर डामटा के रिखाऊंखड्ड के समीप एक कार अनियंत्रित हो कर यमुना में जा गिरी। उसमें सवार दो लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। दोनों युवक डामटा के समीप स्थित ढुइंक गांव के रहने वाले थे। घटना से गांव में मातम पसर गया। मृतकों की पहचान तुषार खत्री पुत्र दिनेश उम्र 25, अजय पुत्र मिजान सिंह उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई है। तुषार खत्री आर्मी में तैनात था और अविवाहित था। दुर्घटना की खबर सुनते ही घटना स्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने डामटा पुलिस,फायर सर्विस और एसडीआरएफ की मदद से दोनों शवों को खाई से निकाल कर यमुनोत्री हाइवे तक पहुंचाया। दुर्घटना पर राज्य मंत्री राजकुमार, ढुइंक गांव के प्रधान त्रेपन रावत,जिला पंचायत सदस्य अनिता नेगी सहित कई लोगों ने शोक जताया है।

पूर्णागिरि मेले को पूरे वर्ष भर चलाने का किया जायेगा प्रयास : धामी

मां पूर्णागिरि मेले 2025 का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

चम्पावत : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को टनकपुर में ऐतिहासिक माँ पूर्णागिरि मेले का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सेलागाड़ से कोटकेंद्री तक संपर्क मार्ग का निर्माण, कालीगूठ-पूर्णागिरि विभिन्न मेला स्थलों का सौंदर्यकरण, तामली से रूपालीगढ़ होते हुए सीम तक मोटर सड़क मार्ग का निर्माण, मां पूर्णागिरि मेला क्षेत्र में भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण, मंच-लेठी-बमनगांव-तरकुली-आवड़ा-सेम-चूका तक मोटर रोड का सुधारीकरण का कार्य के साथ ही मां पूर्णागिरि के आंतरिक क्षेत्र का विकास एवं विश्राम रोड़ एवं पुलिया निर्माण कार्य किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो घोषणाएं की गई हैं जिला प्रशासन त्वरित रूप से इन घोषणाओं में बिना विलंब के कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पवित्र भूमि को देवताओं का धाम बताते हुए कहा कि प्रदेश के कण-कण में दिव्यता समाई हुई है। मुख्यमंत्री ने मां पूर्णागिरि से प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने इस मेले को सालभर संचालित करने का संकल्प लेते हुए कहा कि पूर्णागिरि धाम को स्थायी संरचनाओं से सुसज्जित करने का लक्ष्य तय किया गया है। आगामी वर्षों में यह स्थान और भी भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप लेगा, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार मां पूर्णागिरि धाम के विकास के लिए सतत प्रयासरत है और आने वाले समय में इसे एक विशाल आध्यात्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्कृति आस्था एवं प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण चम्पावत को बुनियादी सुविधाओं से सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना माँ पूर्णागिरि मेले को 12 महीने संचालित करने के लक्ष्य के अनुरूप है और इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। कहा कि संपूर्ण चंपावत को प्रत्येक क्षेत्र में विकसित व अग्रणी बनाने का कार्य किया जा रहा है। कनेक्टिविटी तथा शिक्षा के क्षेत्र में अनेकों कार्य किये जा रहे हैं। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा का एक कैंपस चंपावत में आईटी लैब तथा महिला छात्रावास का निर्माण किया गया है। जिला मुख्यालय में 55 करोड़ की धनराशि से साइंस सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। जिससे आने वाले समय में सभी विद्यार्थियों व नौनिहालों को ज्ञान, विज्ञान व तकनीकी और नवाचार हेतु प्रेरित करने हेतु साइंस सिटी बड़ा माध्यम बनेगी। साथ ही विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा मिलेगी।

देश में आतंकी हमले का खतरा : कश्मीर–दिल्ली में रेकी, आरडीएक्स का अलर्ट

नई दिल्ली , भारत में आतंकी बड़ा हमला करने की फिराक में हैं। कश्मीर से लेकर दिल्ली तक कई धार्मिक स्थल निशाने पर हैं। वीआईपी स्पॉट और सेना भी टारगेट लिस्ट में हैं। फरवरी में महज 20 दिन के अंदर सुरक्षा एजेंसियों को इसके इनपुट मिले हैं। इसके मुताबिक, 10 फरवरी को होने वाला बड़ा हमला टाला जा चुका है, लेकिन खतरा अब भी बरकरार है।ऑपरेशन सिंदूर के बाद से आतंकी एक्टिविटीज बढ़ी हैं। आतंकियों का नेटवर्क पाकिस्तानी कैंपों और बांग्लादेश रूट से ऑपरेट हो रहा है। आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा कश्मीर और दिल्ली के आसपास हमले की तैयारी में है। आतंकियों के पास 15–20 किलो ऋष्ठङ्ग और ढ्ढश्वष्ठ होने के इनपुट हैं। 5 आतंकी पाकिस्तान से भारत में घुस चुके हैं। कुछ स्लीपर सेल बांग्लादेश लिंक से ऑपरेट कर रहे हैं।

8 फरवरी को जम्मू–कश्मीर में खुफिया एजेंसियों को इनपुट मिला, जो लश्कर–ए–तैयबा की धमकी से जुड़ा था। इसके मुताबिक, लश्कर के आतंकी ब्लास्ट की तैयारी में हैं। ये ब्लास्ट कश्मीर के नरबल से पट्टन या कुंजेर से नरबल के रास्ते में हो सकता है। इस धमाके के लिए आतंकी 15 से 20 किलो ऋष्ठङ्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये हमला सेना के काफिले पर भी हो सकता है।

18 फरवरी के इनपुट के मुताबिक, जम्मू–कश्मीर में जैश–ए–मोहम्मद ने ओवरग्राउंड नेटवर्क एक्टिव कर दिया है। इसके लोगों ने हाल ही में जम्मू से कश्मीर को जोड़ने वाली काजीगुंड टनल की रेकी की है। इसमें 10 आतंकियों के दो अलग–अलग ग्रुप साजिश रच रहे हैं। आतंकी फिरदौस अहमद भट्ट रिमोट ढ्ढश्वष्ठ के जरिए सुरक्षा बलों को टारगेट कर रहा है। सुरक्षा बलों के वाहनों को भी निशाना बनाया जा सकता है।

8 से 20 फरवरी के बीच अलग–अलग इनपुट मिले। इसमें से एक इनपुट लश्कर–ए–तैयबा के बारे में है। इसके मुताबिक, आतंकी भारत के बड़े शहरों को निशाना बना सकते हैं। दिल्ली में चांदनी चौक के आसपास के मंदिर निशाने पर हैं। पुरानी दिल्ली भी टारगेट पर है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद की एक मस्जिद पर 6 फरवरी को हुए हमले के बाद भारत में अटैक की साजिश है।

खुफिया एजेंसियों को मिले अलर्ट में दो ज्यादा संवेदनशील हैं। पहला, जम्मू से कश्मीर के बीच काजीगुंड टनल की रेकी और दूसरा 15–20 किलो ऋष्ठङ्ग के जरिए किसी हाईवे या सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की साजिश।

बड़कोट में करंट लगने से दिव्यांग महिला की मौत

उत्तरकाशी। तहसील क्षेत्र में स्थित सुनाल्डी गांव निवासी एक दिव्यांग महिला की करंट लगने से मौत हो गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कोट में चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित किया। इस घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुबह सुनाल्डी गांव की मीना देवी (48) पत्नी एन सिंह राणा अचानक पानी गरम करते हुए रॉड हीटर के करंट की चपेट में आ गईं। परिजनों और स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कोट पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ अंगद सिंह राणा ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि मृतका मीना दिव्यांग थीं। मृतका के पति भी दिव्यांग हैं। इस दुखद घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। आर्थिक रूप से पहले से ही संघर्ष कर रहे इस परिवार के सामने अब गंभीर संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग रखी है।

दिल्ली शराब घोटाले मामलें में केजरीवाल-मनीष सिसोदिया बरी

कोर्ट ने कहा– बिना सबूत आरोप साबित नहीं होते

नई दिल्ली ,दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े सीबीआई मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के दोनों शीर्ष नेताओं को बरी कर दिया। शुक्रवार को अदालत में सुनवाई के दौरान अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पेश हुए। के कविता, अमनदीप ढल और कई अन्य आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। इस दौरान, जज ने हर वकील का धन्यवाद किया और अपना फैसला सुनाया। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला देते हुए कथित शराब घोटाला से जुड़े सीबीआई केस में सभी 23 आरोपियों को बरी किया। कोर्ट ने जांच में कमियों के लिए सीबीआई को कड़े शब्दों में फटकार लगाई और कहा कि आबकारी नीति में कोई बड़ी साजिश या क्रिमिनल इरादा नहीं था।

कोर्ट ने सीबीआई की चार्जसीट पर सवाल उठाए और कहा कि इसमें कई कमियां हैं, जिनका किसी गवाह या बयान से कोई सबूत नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला न्यायिक जांच में टिक नहीं पाया, क्योंकि सीबीआई ने महज अनुमान के आधार पर साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की। सीबीआई की तरफ से कंफेशनल स्टेटमेंट की कॉपी जमा नहीं किए जाने पर जज जीतेंद्र सिंह ने नाराजगी व्यक्त की। चार्जशीट में 'साउथ लॉबीझ् शब्द के इस्तेमाल पर भी अदालत ने आपत्ति जताई। यह मामला दिल्ली सरकार की 2021–22 की आबकारी (शराब) नीति से जुड़ा है, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। दिल्ली के मुख्य सचिव रहे नरेश कुमार की रिपोर्ट के बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।बाद में सीबीआई ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने इस मामले में मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया।

पीएम मोदी ने इजरायल दौरे का अनुभव किया साझा

बोले– हमारी पार्टनरशिप आगे बढ़ती रहे

नई दिल्ली , भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय इजरायल दौरे से वापस लौट चुके हैं। भारत लौटने के बाद पीएम मोदी ने अपने इजरायल दौरे का अनुभव साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने इस दौरे की हाईलाइट भी वीडियो में शेयर किया है। वीडियो में इजरायल दौरे के दौरान पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत, इजरायल में भारतीय समुदाय के साथ उनकी मुलाकात, उनके आगमन पर भारतीय सांस्कृतिक नृत्य, इजरायली संसद में प्रधानमंत्री का स्वागत, तालियों और नारों की गूंज की झलकियां दिखाई गई हैं। इसके साथ ही इजरायली संसद में पीएम मोदी का संबोधन, इजरायल का सर्वोच्च सम्मान मिलना और दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर किए गए एमओयू के पलों को भी दिखाया गया। इस वीडियो को साझा कर पीएम मोदी ने लिखा, इजरायल की खास यात्रा की कुछ खास बातें, जिसमें अच्छी बातचीत और मजबूत सहयोग शामिल था। आने वाले समय में हमारी पार्टनरशिप और बढ़ती रहे! बता दें, दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर आपसी सहमति बनी। इनमें रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और कृषि जैसे अहम क्षेत्रों में आपसी सहयोग शामिल है। इसके अलावा, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देते हुए, इंडिया–मिडिल ईस्ट–यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) और भारत–इजरायल–यूएई–यूएसए (आई2यू2) पर भी नई गति से आगे बढ़ने पर रजामंदी हुई।

प्रधानमंत्री मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान जो समझौते/एमओयू हुए उनमें जियोफिजिकल एक्सप्लोरेशन के फील्ड में सहयोग पर एमओयू हुआ, जो एडवांस्ड जियोफिजिकल और एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मिनरल एक्सप्लोरेशन में भारत–इजरायल सहयोग को बढ़ाता है। डेटा शेयरिंग, निवेश और सतत संसाधन विकास को बढ़ावा देता है।नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (एनएमएचसी), लोथल, गुजरात के विकास के लिए एमओयू हुआ, जो प्रदर्शनियों, शोध, प्रकाशनों और विशेषज्ञता के आदान–प्रदान के माध्यम से साझा समुद्री विरासत को बढ़ावा देता है तथा राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर और व्यापक जन–भागीदारी का समर्थन करता है।

बाहरी वाहन गृह राज्य से ही लाएंगे तीर्थयात्री

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर शुक्रवार को आरटीओ संदीप सैनी ने ऋषिकेश में बैठक आयोजित की। उन्होंने संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति और अन्य परिवहन यूनियनों के सदस्यों की समस्याएं सुनीं और सुझाव लिए। चर्चा कर यह तय किया कि बाहरी वाहन गृह राज्य से ही यात्री लेकर आएंगे। यात्रियों को संबंधित स्थल तक भी पहुंचाने की जिम्मेदारी उनकी होगी। बावजूद, चेकिंग में नियम का उल्लंघन होता मिला तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हरिद्वार बाईपास मार्ग स्थित एआरटीओ कार्यालय में आरटीओ संदीप सैनी ने दोपहर करीब एक बजे बैठक शुरू की। जिसमें उन्होंने परिवहन निगम ऋषिकेश से संचालित संयुक्त रोटेशन, टैक्सी और मैक्सी संगठन सदस्यों से यात्रा को लेकर चर्चा की। रोटेशन की बसों की संख्या की जानकारी लेते हुए उन्होंने जरूरत पड़ने पर यात्रा में गढ़वाल–कुमाऊं के वाहनों को भी यात्रा पर भेजने की बात कही। बताया कि रोटेशन से संचालित सभी वाहन गमन पत्र (ग्रीन कार्ड) से यात्रा में संचालित होंगे। रोटेशन को हर दिन यात्रा पर जाने वाले वाहनों की सूचना देनी होगी।

बाजपुर में पिंजरे में कैद हुई मादा गुलदार

ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

काशीपुर। ग्राम टांडा अमीचंद में पिछले कुछ समय से गुलदार की दस्तक से दहशत का माहौल बना हुआ था। शुक्रवार को गुलदार वन विभाग के लगाए गए पिंजरा में कैद हो गई। वन रेंजर नवल कपिल ने बताया कि गुलदार को पकड़ने के लिए बीते 26 फरवरी को गांव टांडा अमीचंद में पिंजरा लगाया गया था। शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे ग्रामीणों ने देखा कि पिंजरे में एक गुलदार बंद है। सूचना मिलते ही उप वन क्षेत्राधिकारी दीवान सिंह रौतेला के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए गुलदार का सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे पिंजरे सहित बन्नाखेड़ा परिसर लाया गया। निरीक्षण के दौरान मादा गुलदार जिसकी उम्र करीब 3 वर्ष है पूरी तरह स्वस्थ पाई गई। उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार, रेस्क्यू की गई मादा गुलदार को टीम ने उत्तरी जसपुर फाटो रेंज के सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया है। उन्होंने बताया कि हालांकि एक गुलदार के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत महसूस की है, लेकिन क्षेत्र में एक से अधिक गुलदार होने की आशंका अभी भी बनी हुई है।

दुश्मन की पनडुब्बी का काल अंजदीप नौसेना में शामिल, 15 और पोत मिलेंगे

नई दिल्ली ,शुक्रवार को भारतीय नौसेना में एक नया युद्धपोत 'अंजदीपझ् शामिल किया गया। नौसेना प्रमुख दिनेश के त्रिपाठी ने इसे यह अत्यंत गर्व का क्षण बताया। यह स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी रोधी उथले जल का युद्धपोत है। यह युद्धपोत दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाकर उन्हें नाकाम करने में सक्षम है। युद्धपोत अंजदीप 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें निष्क्रिय करना है। यह पोत स्वदेशी, अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी हथियारों और सेंसर पैकेज से सुसज्जित है। इसमें हल माउंटेड सोनार 'अभयझ् भी शामिल है। यही नहीं, यह भारतीय युद्धपोत हल्के टॉरपीडो और पनडुब्बी रोधी रॉकेटों से भी लैस है। शुक्रवार को चेन्नई में इसे नौसेना में शामिल किया गया। इस अवसर पर नौसेना प्रमुख ने बताया कि वर्ष 2026 में लगभग 15 और पोत शामिल करने की योजना है, जो हम अब तक की सर्वाधिक सम्मिलन दर होगी। वहीं वर्ष 2035 तक भारतीय नौसेना का लक्ष्य 200 से अधिक पोतों वाली नौसेना बनने का है। इसके लिए वर्तमान में 50 पोत भारतीय शिपयार्डों में निर्मित हो रहे हैं। नौसेना का लक्ष्य 2047 तक पूर्णतः आत्मनिर्भर नौसैनिक शक्ति का निर्माण करना है। अंजदीप अपनी प्राथमिक पनडुब्बी रोधी भूमिका के अलावा, एक फुर्तीला युद्धपोत है। यह तटीय निगरानी, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियान और खोज एवं बचाव अभियान चलाने में भी सक्षम है।

ट्रैक्टर–ट्रॉली पलटी – सरियों के नीचे दबकर 3 की दर्दनाक मौत

गुना , मध्य प्रदेश के गुना जिले के कुंभराज थाना क्षेत्र में देर रात मृगवास मार्ग पर गणेशपुरा के पास एक हृदयविदारक सड़क हादसा हुआ। कुंभराज कृषि उपज मंडी से धनिया बेचकर घर लौट रहे किसान बाबूलाल मीणा (60) की ट्रैक्टर–ट्रॉली ढलान वाले इलाके में अनियंत्रित होकर पलट गई।

ट्रॉली में घर निर्माण के लिए लदी भारी मात्रा में लोहे की सरियाँ (करीब 10 क्विंटल) नीचे बैठे लोगों पर गिर गईं। इस भीषण हादसे में बाबूलाल मीणा (60), जगदीश अहिरवार (45) और रमन अहिरवार (22) की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों एक ही गांव (बकोन्या) के निवासी थे।

महाराष्ट्र : नागपुर में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने 3.35 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नागपुर ,नागपुर में प्रवर्तन निदेशालय के उप–क्षेत्रीय कार्यालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत सचिन शत्रुघ्न पांडे और उनके परिवार से जुड़ी 3.35 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। कुर्क की गई संपत्तियों में तीन व्यावसायिक दुकानें और कुल 10.37 एकड़ क्षेत्रफल वाली दो जमीनें शामिल हैं। ईडी ने यह कार्रवाई प्राथमिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर की है। ईडी ने अपनी जांच की शुरुआत नागपुर के धंतोली और सीताबर्डी पुलिस थानों में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर की थी। इन मामलों में सचिन शत्रुघ्न पांडे और उनके सहयोगियों पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। जांच में सामने आया कि पांडे और उनकी पत्नी खुशी पांडे का नागपुर की दो संपत्तियों में कोई वैध हिस्सा नहीं था, इसके बावजूद उन्होंने शिकायतकर्ता के साथ संपत्ति से जुड़ा एक समझौता किया। बाद में जब संपत्ति का विधिवत हस्तांतरण नहीं हुआ, तो आरोपियों ने 31 मार्च 2013 तक पैसे लौटाने का वादा करते हुए एक कैंसलेशन एग्रीमेंट किया। हालांकि, जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने जानबूझकर समझौते की शर्तों का पालन नहीं किया और शिकायतकर्ता को 2.2 करोड़ रुपए वापस नहीं किए। इस रकम का निजी लाभ के लिए उपयोग किया गया, जिससे शिकायतकर्ता को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। जांच के दौरान यह भी पता चला कि सचिन पांडे और उनके सहयोगियों ने चंद्रप्रकाश वाधवानी को उनकी कंपनी मेसर्स लुफ्ट इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से बिना किसी सुरक्षा के 18 करोड़ रुपए का विदेशी ऋण दिलाने का झांसा दिया।

सम्पादकीय

टीकाकरण या एक मुसीबत?

उत्तराखंड सरकार 14 वर्ष की सभी लड़कियों को गर्भाशय की कैंसर से बचने का टीका लगाने जा रही है क्योंकि केंद्र सरकार की एक स्वास्थ्य योजना है। इस टीकाकरण योजना ने कोरोना कल की उसे टीकाकरण अनिवार्यता की याद दिला दी है जिसे न लगने पर तमाम तरीके की सुविधाओं से वंचित किए जाने का वह दिखाया जाता था। कोई भी वैक्सीन हो या निरोधात्मक उपाय से जुड़े विकल्प, सरकार का काम है लोगों को जागरूक करना और बचने के उपायों पर सुझाव देना न कि किसी भी वैक्सीन को अनिवार्य करना, जैसे आदेश देना। कोविड के समय प्रशासन के लोगों से बिना कंसेंट लिए वैक्सीन लगाई गई, मॉल, बाजार, बैंक, स्कूल कॉलेज, एंट्रेंस एग्जाम यहां तक कि मंदिरों में भी बिना वैक्सीन कार्ड दिखाए प्रवेश पर रोक लगा दी गई। लोगों को मजबूरी में वैक्सीन के सारे डॉज़ लेने पड़े और कोविड क बाद कार्डियक अरेस्ट, ब्रेन फेलियर के कितने मामले बड़े अब ये सबके सामने आ रहे हैं। अब सरकार तो अपना पक्ष रखेगी ही कि इसका वैक्सीन से कोई सम्बन्ध नही तो जरा कोविड के पहले और बाद में हार्ट अटैक से मरने वालों के आंकड़े भी उठाकर देख लेने चाहिए। किसी भी उम्र के किसी भी व्यक्ति को अटैक आ रहा है, लेकिन सरकार सुप्रीम कोर्ट में दाखिल शपथपत्र में कहती है कि कोविड की वैक्सीन कोई अनिवार्य नहीं बल्कि वॉलंट्री थी और लोगों को इसके साइड इफेक्ट के बारे में पता था, चाहते तो और जानकारी ले सकते थे। मतलब यदि अनिवार्य नहीं था तो वैक्सीन कार्ड अनिवार्य क्यों किया गया और क्यों लोगों को वैक्सीन न लगवाने के विकल्प चुनने का अधिकार मिला? इधर अब महिलाओं में तेजी से फैलने वाली गर्भाशय कैंसर की गंभीर बीमारी की रोकथाम के लिये भारत सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी वैक्सीनेशन अभियान संचालित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने भी एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीनेशन के लिये प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर तैयारियां कर दी है। एक कड़वा सत्य यह भी है कि बड़ी बड़ी विदेशी कम्पनियां नई दवाईयों पर रिसर्च करती हैं और जनसंख्या बहुल देशों के मासूम लोगों को अपने चूहे और गिनीपिग्स बनाकर उन पर इनकी टेस्टिंग करती है, उन्हें लोगों की जान की कोई परवाह नहीं क्योंकि मरने वाले लोग उनके लिए बस शोध का एक हिस्सा है। अफ्रीका के लोगों पर कई तरह की वैक्सीन और दवाईयों की टेस्टिंग की जाती थी अब वही चलन भारत के लोगों के लिए भी है। भारत ने गर्भाशय कैंसर से अधिक लोग भुखमरी, कुपोषण, गंदे पानी, सड़क हादसे, दंगे फसाद, अपराध में मर जाते हैं, यदि मौतें रोकनी है तो इन पर काम करना चाहिए। यदि बेटियों की रक्षा करनी है तो उन्हें सम्भावित बीमारी की वैक्सीन जबरन लगवाने की बजाय रेप और यौन दुराचार रोकने के प्रयास करो क्योंकि हर बीस मिनिट में एक महिला और बच्ची बलात्कार का शिकार हो रही है न कि गर्भाशय कैंसर से। पूरी तरह से जांच परख कर ही अभिभावकों को आगे बढ़ना चाहिए। ऐसी किसी भी वैक्सीन के लिए अपने प्रियजनों को टेस्टिंग किट बनने मत दीजिये जिसके दूरगामी परिणामों पर कोविड वैक्सीनेशन जैसी परेशानियां झेलनी पड़े।

वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन

हरदीप एस पुरी

जब पाणिनि ने बोली जाने वाली भाषा की अव्यवस्था को एक संक्षिप्त, गणनीय व्याकरण में परिवर्तित किया, तो उन्होंने एक बात साबित की, जो आज भी प्रासंगिक हैः बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली तब होती है, जब इसे संरचना के रूप में व्यक्त किया जाता है। नालंदा इस सहज प्रवृत्ति को संस्थानों तक ले गया और बहस करने, संरक्षित करने और ज्ञान को सीमाओं के पार प्रसार करने के तरीके विकसित किए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करने का भारत का निर्णय उसी सभ्यतागत भावना से प्रेरित है, क्योंकि तकनीक में अगली छलांग उन प्रणालियों के बारे में है, जो सीख सकती हैं, तर्क कर सकती हैं और बड़े पैमाने पर कार्य कर सकती हैं और दुनिया ऐसे भविष्य के बारे में सोच नहीं सकती, जिसमें केवल कुछ देश यह तय करें कि ये प्रणालियाँ कैसे बनाई जाएँगी।

पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन था और किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयीः 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय–आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा हैः डेटा पर संप्रभुता, डिज़ाइन के अनुसार समावेश और स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है।प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई हैः नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता था; व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तक और कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा एक ऐसी रेखा खींचती है, जिसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं खींचने में हिचकिचा रही हैं।

अब इन सिद्धांतों का बहुपक्षीय महत्व है, जो शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा के माध्यम से सामने आया, और इसे पहले से ही वैश्विक दक्षिण से आने वाली पहली प्रमुख एआई शासन रूपरेखा कहा जा रहा है। इस घोषणा की दृष्टि विकास–उन्मुख है, जिसका केंद्र तकनीकी–कानूनी दृष्टिकोण है और जो कठोर अनुपालन की तुलना में लचीली पाबंदियों को प्राथमिकता देता है। यह वैश्विक सहयोग को तीन स्तंभों पर व्यवस्थित करता हैः लोग, पृथ्वी और प्रगति। भारतजेन जैसा जनसंख्या के पैमाने पर आधारित समाधान, जो 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और उस वास्तविकता को संबोधित करता है कि दुनिया का अधिकांश भाग अंग्रेज़ी में काम नहीं करता। भारत के अपने सब्सिडी वाले जीपीयू एक्सेस (?65 प्रति घंटा) पर आधारित एक प्रस्तावित वैश्विक कंप्यूट बैंक प्रवेश बाधाओं को हर जगह कम करता है। घोषणा में डेटा संप्रभुता पर जोर दिया गया है, जो सीधे एआई निष्कर्षणवाद को चुनौती देता हैः एक पैटर्न, जिसमें विकासशील देशों से डेटा संग्रहित किया जाता है ताकि मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सके। बाद में इन देशों को इसी मॉडल के लिए भुगतान करना पड़ता है।पिछले दशक के कार्यान्वयन ने इस रूपरेखा को विश्वसनीयता दी है, क्योंकि यह सरकार एआई तक किसी श्वेत पत्र के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक देश द्वारा शुरू किये गये सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना कार्यक्रम के जरिये पहुँची है। यूपीआई ने 2025 में 228 बिलियन से अधिक लेन–देन संसाधित किए, जिनका मूल्य लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर था, जो दुनिया के वास्तविक समय पर कुल डिजिटल भुगतान का लगभग आधा है और यह वैश्विक स्तर पर वीसा द्वारा संसाधित किये गये कुल लेन–देन से भी अधिक है। जेएएम त्रय ने 2015 से अब तक ?3.48 लाख करोड़ से अधिक की कल्याण बचत प्रदान की है।

किसी अन्य देश ने एक ही नीतिगत व्यवस्था के तहत पहचान, भुगतान और पात्रता–अधिकार के वितरण का निर्माण इस स्तर पर नहीं किया है और यही वह आधारशिला है, जिस पर भारत का एआई खड़ा है।यदि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को देश से जोड़ना था, तो एआई अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को क्षमता से जोड़ना है और यहाँ आंकड़े एक चौंकाने वाला अंतर दिखाते हैंः भारत दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत डेटा का उत्पादन करता है, लेकिन यहाँ वैश्विक डेटा–केंद्र क्षमता का केवल लगभग 3 प्रतिशत मौजूद है। अब इस अंतर को उसी इरादे के साथ पाटा जा रहा है, जिसने यूपीआई का निर्माण किया थाः तेज़, बड़े पैमाने पर और संप्रभु डिजाइन के साथ।

विचार करें कि भारत मंडपम में एक ही सप्ताह में क्या घोषणाएँ की गईं। माइक्रोसॉफ्टः 2030 तक वैश्विक दक्षिण के लिए 50 बिलियन डॉलर, जिसमें से पहले ही 17.5 बिलियन डॉलर की भारत के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी है। गूगलः अमेरिका–भारत संपर्क पहल, जो पांच वर्षों में 15 बिलियन डॉलर से संचालित होगी। अमेज़न वेब सर्विसेज़ः महाराष्ट्र में 8.3 बिलियन डॉलर। अदानी समूहः 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा–संचालित एआई डेटा केन्द्रों के लिए 100 बिलियन डॉलर। योटा डेटा सर्विसेज़ः एनवीडिया के ब्लैकवेल अल्ट्रा चिप्स का उपयोग करके एशिया के सबसे बड़े एआई कंप्यूटिंग हब में से एक के लिए 2 बिलियन डॉलर से अधिक। लार्सन एंड टुब्रोः एनवीडिया के साथ भारत की सबसे बड़ी गीगावाट–स्केल एआई फैक्ट्री बनाने के लिए प्रस्तावित परियोजना। इंडियाएआई मिशन का राष्ट्रीय कंप्यूट क्लस्टर 38,000 जीपीयू पार कर चुका है और इसे 58,000 तक बढ़ाया जा रहा है, जो स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक लागत के लगभग एक तिहाई पर उपलब्ध है। अगले दो वर्षों में एआई अवसंरचना में 200 अरब डॉलर के निवेश का सरकार का लक्ष्य महज आकांक्षा नहीं है; घोषित प्रतिबद्धताएँ इसे हासिल करने के दायरे में लाती हैं।

केंद्रीय बजट 2026–27 का उद्देश्य इस निवेश को दीर्घकालिक संरचनात्मक लाभ में बदलने का है, जो उन विदेशी कंपनियों के लिए टैक्स होलीडे का 2047 तक विस्तार करता है, जो वैश्विक क्लाउड सेवाओं के लिए भारतीय डेटा सेंटर का उपयोग करती हैं तथा एआई और उच्चतम निर्माण स्टार्टअप्स के लिए 1.1 अरब डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड का वचन देती हैं। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन, जिसका परिव्यय 34,000 करोड़ रुपये से अधिक का है, लिथियम, कॉबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं को सुरक्षित करता है, जिन पर एआई और सेमीकंडक्टर का निर्माण निर्भर होता है।हालाँकि यह सब तब तक मायने नहीं रखता, जब तक यह लोगों तक नहीं पहुँचता। शिखर सम्मेलन के पहले दिन, 2.5 लाख से अधिक छात्रों ने नवाचार के लिए जिम्मेदार एआई का उपयोग करने की शपथ ली, यह संख्या गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की मान्यता के लिए प्रस्तुत की गई है। तीस डेटा और एआई लैब्स स्तर 2 और स्तर 3 के शहरों में काम कर रहे हैं, जो 570–लैब नेटवर्क की योजना का पहला प्रयास है, जबकि एआईकोश 7,500 से अधिक डेटासेट और 273 मॉडलों को साझा सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में पेश करता है। जब यह सरकार सत्ता में आई थी, तब भारत में 16 आईआईटी थे; आज 23 हैं। ओपनएआई के सीईओ ने बताया कि भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जिसके 100 मिलियन साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। खपत यहाँ है, और उत्पादन क्षमता रफ़्तार पकड़ बना रही हैः शिखर सम्मेलन में तीन संप्रभु एआई मॉडल पेश किए गए, जिनमें सर्वम एआई का 105–बिलियन–पैरामीटर व्यापक भाषा मॉडल शामिल है, जिसे पूरी तरह भारतीय कंप्यूटिंग और भारतजेन का परम2 पर प्रशिक्षित किया गया है, एक 17–बिलियन–पैरामीटर बहुभाषी मॉडल, जो सभी 22 अनुसूचित भाषाओं का समर्थन करता है। ये विदेशी मॉडलों के अनुकूल किये गये संस्करण नहीं हैं; इन्हें संप्रभु अवसंरचना पर शुरुआत से बनाया गया है।

यह भी जानकारी देने योग्य है कि साझेदारी की संरचना अब कैसे तैयार की जा रही है, क्योंकि अब यह विदेशी तकनीक के लाइसेंस के बारे में नहीं है, बल्कि संप्रभु क्षमता के सह–निर्माण के बारे में है। टाटा समूह की ओपनएआई के साथ रणनीतिक साझेदारी स्टारगेट पहल के तहत 100 मेगावाट एआई–तैयार डेटा सेंटर क्षमता के साथ शुरू होगी और इसका विस्तार एक गीगावाट तक किया जाएगा। इससे यह संकेत मिलता है कि भारतीय उद्योग, वैश्विक ज्ञान परिदृश्य में मांग पक्ष से आपूर्ति पक्ष की ओर आगे बढ़ रहा है। शिखर सम्मेलन के दौरान भारत द्वारा पैक्स सिलीका घोषणा पर औपचारिक हस्ताक्षर अमेरिकी–नेतृत्व वाले गठबंधन में देश को एआई, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित रखने वाले देशों में शामिल करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया अन्य सदस्य हैं। इसके साथ ही द्विपक्षीय भारत–अमेरिका एआई अवसर साझेदारी पर हस्ताक्षर किये गये हैं, जो दोनों देशों को महत्वपूर्ण तकनीकों पर नवाचार–प्रवृत्त दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रतिबद्ध करती है, जबकि भारत–फ्रांस नवाचार वर्ष, 2026 एक और आयाम जोड़ता है, जो संयुक्त कौशल विकास और मापनीय परिणामों से संबंधित है।

पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन था और किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयीः 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय–आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा हैः डेटा पर संप्रभुता, डिज़ाइन के अनुसार समावेश और स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई हैः नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता था; व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तक और कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए।

भारत को बांग्लादेश के साथ बेहतर समन्वय की जरूरत

बांग्लादेश के साथ भारत की कूटनीति का तीसरा पहलू क्षेत्रीय भू राजनीति से जुड़ा है। बांग्लादेश भारत की पड़ोसी पहले की नीति का मुख्य केंद्र रहा है। कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सहयोग, जल बंटवारा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की परस्पर निर्भरता गहरी है। शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की भारत की विदेश नीति पिछले कुछ दशकों में पूरी तरह से विफल हो गई थी। लगभग सभी पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों में तनाव आ गया था। अब भारत ने नए सिरे से संबंध सुधार के प्रयास शुरू किए हैं। बांग्लादेश के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल हुए। वे अपने साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिी लेकर गए थे। प्रधानमंत्री ने उनको भारत आने का न्योता दिया है। यह सिर्फ औपचारिक शिष्टाचार नहीं है, बल्कि यह एक सुविचारित कूटनीतिक पहल भी है। यह पहल दोपक्षीय संबंधों की निरंतरता और उच्च स्तरीय राजनीतिक विश्वास को दिखाता है। दूसरी ओर इसी यात्रा में भारत के विदेश सचिव का बांग्लादेश के प्रमुख विपक्षी नेता और जमात ए इस्लामी के प्रमुख शफीकुर्रहमान से मिलना इस बात का संकेत है कि भारत अपनी नीति को बहुस्तरीय और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ा रहा है।भारत की एक बहुत अच्छी कूटनीतिक पहल यह रही कि किसी केंद्रीय मंत्री को भेजने की बजाय लोकसभा के स्पीकर को शपथ समारोह में भेज गया। यह दो देशों के संबंधों की भावना को रेखांकित करता है। स्पीकर का पद दलीय राजनीति से ऊपर माना जाता है, इसलिए यह संदेश गया कि भारत की प्रतिबद्धता सिर्फ किसी एक दल या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संस्थागत संबंधों को महत्व देता है। प्रधानमंत्री का पत्र और भारत आने का निमंत्रण इस बात का संकेत है कि नई सरकार के साथ संवाद को जल्दी से जल्दी और सकारात्मक दिशा में ले जाने की भारत की मंशा है। दूसरी रणनीतिक पहल विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बांग्लादेश के विपक्षी नेता से मुलाकात है। शफीकुर्रहमान, बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात ए इस्लामी के प्रमुख हैं। जमात को पहली बार बांग्लादेश की तीन सौ सदस्यों की संसद में करीब 70 सदस्यों का प्रतिनिधित्व मिला है। यह एक तरह से उसकी राजनीतिक वैधता है। उनसे मुलाकात कर भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह केवल सत्तारूढ़ दल पर निर्भर रहकर अपनी विदेश नीति नहीं गढ़ता, बल्कि संभावित सत्ता परिवर्तन की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखता है। हालांकि बांग्लादेश में तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी को जबरदस्त जनादेश मिला है लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा का मसला वहां के समाज से जुड़ा है और उसे सुनिश्चित करने के लिए जमात के नेता के साथ भारत के संबंधों की बेहतरी भी जरूरी है। बांग्लादेश के साथ भारत की कूटनीति का तीसरा पहलू क्षेत्रीय भू राजनीति से जुड़ा है। बांग्लादेश भारत की पड़ोसी पहले की नीति का मुख्य केंद्र रहा है। कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सहयोग, जल बंटवारा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की परस्पर निर्भरता गहरी है। हालांकि अभी भारत गंगा जल संधि या ट्रांस शिपमेंट पर लगाई गई रोक को लेकर कुछ नहीं कह रहा है और न शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंपने की बात हो रही है। लेकिन आने वाले दिनों में ये मुद्दे उठेंगे। इन मुद्दों पर सद्भावपूर्ण तरीके से चर्चा हो यह भारत ने अपनी कूटनीतिक पहल से सुनिश्चित किया है। सीमा प्रबंधन और घुसपैठ रोकने में भी भारत को बांग्लादेश के साथ बेहतर समन्वय की जरुरत होगी।

स्पीकर का पद दलीय राजनीति से ऊपर माना जाता है, इसलिए यह संदेश गया कि भारत की प्रतिबद्धता सिर्फ किसी एक दल या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संस्थागत संबंधों को महत्व देता है। प्रधानमंत्री का पत्र और भारत आने का निमंत्रण इस बात का संकेत है कि नई सरकार के साथ संवाद को जल्दी से जल्दी और सकारात्मक दिशा में ले जाने की भारत की मंशा है।

फिल्म भूत बंगला के पहले गाने रामजी आके भला करेंगे का टीजर रिलीज

भूत बंगला 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जो 14 साल बाद बॉलीवुड के दो दिग्गजों अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी को वापस साथ ला रही है. बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म ने उन दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की कल्ट कॉमेडी फिल्में देखकर बड़े हुए है.

इस चर्चा को और बढ़ाते हुए, मेकर्स ने फिल्म के पहले गाने रामजी आके भला करेंगे का टीजर रिलीज कर दिया है, जो उस पागलपन और कॉमेडी की एक झलक देता है जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार था. टीजर में अक्षय कुमार अपने पुराने और असली अंदाज में नजर आ रहे हैं, जो दर्शकों को याद दिलाता है कि आखिर क्यों वो बॉलीवुड के सबसे एंटरटेनिंग कलाकारों में से एक माने जाते हैं.

यह पेप्पी और हाई–एनर्जी गाना अपनी वाइब्रेंट विजुअल्स, कैची बीट्स और अक्षय की सिग्नेचर कॉमिक टाइमिंग से भरपूर है. प्रीतम द्वारा कंपोज किए गए और कुमार के लिखे इस गाने को देव अरिजीत ने गाया है, साथ ही मेलो डी का लिखा और परफॉर्म किया गया रैप सेगमेंट इस गाने को ऐसा बना देता है जिसे आप स्किप नहीं कर पाएंगे.

सरगुन मेहता ने प्रेग्नेंसी की खबरों पर लगाया विराम, अफवाह उड़ाने वालों की लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर बिना आधार की अफवाहें फैल जाती हैं, जो कि उनकी निजी जिंदगी को परेशान करने लगी हैं। ऐसा ही कुछ कई समय से टीवी–पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सरगुन मेहता और उनके पति रवि दुबे के साथ हो रहा था। दरअसल, पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर लगातार यह खबरें फैल रही थीं कि सरगुन मेहता प्रेग्नेंट हैं। इन अफवाहों की वजह से फैंस में काफी उत्साह था, लेकिन कपल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। अभिनेत्री सरगुन ने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर विराम लगा दिया है। उन्होंने एक नोट शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री ने खंडन करते हुए लिखा, अफवाह फैलाने वालों को तो पिछले 2 साल से मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में मुझसे पहले ही सब पता चल जाता है। उनके अनुसार मैं पिछले 2 साल से प्रेग्नेंट हूं। भला, इतनी लंबी प्रेग्नेंसी किसी की होती भी है क्या?अभिनेत्री ने आगे लिखा, प्लीज शांत रहें और बिना किसी आधार की खबरें फैलाना बंद करें। कोई भी खबर फैलाने से पहले हमसे या हमारी टीम से एक बार पूछ लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है,

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का हुआ निधन, लिवर कैंसर से थे पीड़ित

नईदिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज रिंकू सिंह के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। उनके पिता खानचंद्र सिंह का निधन हो गया है। वह स्टेज–4 के लिवर कैंसर से जंग लड़ रहे थे। खानचंद्र को ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां वे वेंटिलेटर सपोर्ट में थे। रिंकू अभी टी–20 विश्व कप की टीम का हिस्सा हैं और वह दल के साथ चेन्नई में थे। अब वह अलीगढ़ के लिए रवाना हो गए हैं।

यथार्थ हॉस्पिटल ने बताया कि चौथे स्टेज के कैंसर से जूझ रहे रिंकू के पिता ने 27 फरवरी की सुबह 5 बजे यथार्थ हॉस्पिटल– ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा में आखिरी सांस ली। वह क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती थे और मैकेनिकल वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। उन्हें लगातार रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी दी जा रही थी। रिंकू टूर्नामेंट के बीच में दिल्ली पहुंचे थे। हालांकि, वो गुरुवार (26 फरवरी) को फिर जिम्बाब्वे से खेलने के लिए टीम से जुड़ गए थे।

टी–20 विश्व कप 2026 में रिंकू को मैच फिनिशर की भूमिका में जिम्मेदारी दी गई है। अब तक उन्हें सीमित ही मौके मिले हैं, जिसमें वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने मौजूदा संस्करण में अब तक 5 पारियों में 82.75 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 24 रन बनाए हैं। वह अपने पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खाता भी नहीं खोल सके थे।

ओ रोमियो ने 12 दिनों में दुनियाभर से बटोरे 92 करोड़

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शुरुआती कुछ दिनों तक इसने बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाकर रखी थी, लेकिन बाद में आंकड़ों में गिरावट आनी शुरू हो गई। दर्शकों और समीक्षकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिलने के बाद यह फिल्म लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में भी नाकामयाब दिख रही है। आइए जानते हैं कि ओ रोमियो के लिए 12वां दिन कमाई के मामले में कैसा रहा।

विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित ओ रोमियो ने पहले हफ्ते में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 11वें दिन इसने 1.6 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं 12वें दिन इसने 1.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म का कुल कलेक्शन 59.05 करोड़ रुपये हो गया है।रिपोर्ट के अनुसार, कम कमाई के बावजूद विशाल ने ओ रोमियो को अपनी सबसे सफल फिल्मों में से एक बताया है।ओ रोमियो को भारत में भले कम कमाई का मुंह देखना पड़ा हो, लेकिन दुनियाभर में इसने अपनी लाज बचाई है। फिल्म ने अब तक करीब 92 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। उम्मीद है कि आंकड़ा जल्द 100 करोड़ के पार पहुंच जाएगा। बता दें कि शाहिद और तृप्ति के अलावा, फिल्म में कई सारे सितारों की टोली है।

गेंदबाजों ने बढ़ाई भारत की टेंशन

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर–8 में भारत की शुरुआत शर्मनाक रही और उन्हें साउथ अफ्रीका के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अपने अगले मैच में टीम इंडिया ने जोरदार वापसी की और जिम्बाब्वे को 72 रनों से शिकस्त देकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा। अब सुपर–8 के अपने आखिरी मैच में सूर्यकुमार यादव एंड कंपनी वेस्टइंडीज से टकराएगी। यह मुकाबला, 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा।

भारत के लिए अहम मैच

मौजूदा चैंपियन भारत के लिए यह मैच करो या मरो वाला है। अगर उन्हें अंतिम–4 में जगह बनानी है तो हर हाल में वेस्टइंडीज को शिकस्त देनी होगी। ऐसे में इस वर्चुअल क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत की संभावित प्लेइंग 11 क्या हो सकती है यह बड़ा सवाल है। क्या भारत विनिंग कॉम्बिनेशन से कोई छेड़छाड़ करना चाहता है या फिर उसी टीम के साथ उतरेगा?

गेंदबाजों ने बढ़ाई टेंशन

गेंदबाजों ने भारतीय टीम मैनेजमेंट की टेंशन बढ़ा रखी है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे महंगे साबित हुए। हार्दिक पांड्या भी गेंदबाजी में ज्यादा प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। इसके बाद जिम्बाब्वे के विरुद्ध भी वरुण लय में नजर नहीं आए। दूसरी और शिवम ने 2 ओवर में 46 रन खर्च कर दिए। मैच के बाद कोच गौतम गंभीर और गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने शिवम दुबे से काफी बात की।

बल्लेबाजों की फॉर्म में वापसी

बल्लेबाजी में भारत को ज्यादा समस्या नहीं है। नए कॉम्बिनेशन का प्रयोग सफल रहा। संजू सैमसन (24) और अभिषेक शर्मा (55) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अच्छी शुरुआत की। 3 नंबर उतरे ईशान किशन (38) ने भी रन बनाए। 4 पर कप्तान सूर्यकुमार यादव (33), 5 पर हार्दिक पांड्या (50*) और 6 नंबर पर तिलक वर्मा (44*) उतरे। इन सभी बल्लेबाजों ने अहम पारियां खेलीं। ऐसे में सूर्या एंड कंपनी इसमें ज्यादा बदलाव नहीं कर सकती है।

एक नजर

छात्रों ने किया प्रदर्शन, ग्रेडिंग प्रणाली लागू करने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (जीबीपीआईटी) में लागू ग्रेडिंग सिस्टम की खामियों पर शुक्रवार को छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रशासनिक भवन परिसर में एकत्र छात्र-छात्राओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप ग्रेडिंग प्रणाली लागू करने की मांग उठाई। छात्राओं ने कहा कि ग्रेडिंग सिस्टम का सीधा असर उनके कॅरियर पर पड़ रहा है जिससे मानसिक दबाव भी बढ़ रहा है।

छात्रों का आरोप है कि उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय ने वर्ष 2022 में अंकों के स्थान पर ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया, लेकिन राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं है। उनका कहना है कि 78 अंक पाने वाले छात्र को जहां राष्ट्रीय ग्रेडिंग में 8 सीजीपीए मिलना चाहिए, वहीं विवि की ओर से सात सीजीपीए दिया जा रहा है, जो गुणांक के बाद घटकर लगभग 6.5 रह जाता है। इसी तरह 74 अंक पर 7 सीजीपीए दिया जा रहा है, जो आगे घटकर 6.4 हो जाता है। कहा कि इससे वे प्लेसमेंट, गेट उत्तीर्ण करने के बाद राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश और भारत सरकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में आवेदन से वंचित हो रहे हैं। उनका दावा है कि इस व्यवस्था से 10 से 15 प्रतिशत अंकों तक का नुकसान हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अंक बढ़ाने की मांग नहीं कर रहे बल्कि राष्ट्रीय ग्रेडिंग प्रणाली के अनुरूप ग्रेड देने की मांग कर रहे हैं।

जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में अफसर अनुपस्थित, सदस्य भड़के

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में जनप्रतिनिधियों ने जंगली जानवरों की दहशत, सड़क, पानी, बिजली आदि की समस्याएं सदन में रखीं। सदस्यों ने बोर्ड बैठक में अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर आक्रोश जताया। वहीं, अध्यक्ष रचना बुटोला ने बताया कि बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव जारी किया गया है। साथ ही कारण बताओ नोटिस भी भेजा जाएगा। अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया।

शुक्रवार को जिला मुख्यालय पौड़ी में जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आयोजित की गई। कालौं सीट के जिपं सदस्य कर्मवीर भंडारी ने क्षेत्र में जंगली जानवरों की दहशत से सदन को रूबरू करवाया। कहा कि पाबौ, थलीसैंण व बीरोंखाल क्षेत्र में गुलदार, बाघ, भालू के अलावा बंदरों व लंगूरों ने उत्पात मचा रखा है। आए दिन जंगली जानवरों से लोग परेशान हैं। उन्होंने वन विभाग से समस्या का स्थायी समाधान की मांग उठाई। कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में सड़कों की दयनीय स्थिति बनी हुई है। जबकि पाबौ के कई क्षेत्रों में पेयजल का संकट शुरू हो गया है। इस मौके पर जिपं सदस्य महेंद्र राणा, डॉ. शिव चरण नौडियाल आदि मौजूद रहे।

पीएचडी प्रवेश के लिए एक मार्च से करें आवेदन

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर ने सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। विश्वविद्यालय ने विभिन्न संकायों में उपलब्ध विषयों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 1 मार्च 2026 से शुरू होगी, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 15 मार्च 2026 (रात्रि 11:55 बजे तक) निर्धारित की गई है। साक्षात्कार की तिथि संबंधित विभाग द्वारा निर्धारित की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उपलब्ध विषयों, सीटों, पात्रता एवं अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा के लिए लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। (एजेंसी)

9 मार्च को आयोजित होगा दिव्यांग शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी सोमवार को आयोजित होने वाला दिव्यांग/विकलांग शिविर होली पर्व के कारण स्थगित कर दिया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश ने बताया कि दिव्यांगों के लिए पूर्व में 02 मार्च को शिविर का आयोजन किया जाना प्रस्तावित था। जिसे होली पर्व के कारण स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब यह शिविर 09 मार्च को जिला चिकित्सालय में आयोजित किया जाएगा।

दिन में गर्मी व सुबह-शाम हो रही ठंड ने बिगाड़ी सेहत

कोटद्वार राजकीय बेस चिकित्सालय जहां इन दिनों मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है।

बेस अस्पताल में लगातार बढ़ रहे सर्दी-जुकाम के मरीज

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सुबह-शाम ठंड व दिन के समय गर्मी आमजन को बीमार रह रही है। हालत यह है कि इन दिनों राजकीय बेस चिकित्सालय के साथ ही निजी अस्पतालों में सर्दी-जुकाम व बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। बेस अस्पताल में हर रोज डेढ़ सौ से दो सौ मरीज बुखार के पहुंच रहे हैं। छोटे बच्चे भी वायरल बुखार की चपेट मे आ रहे हैं।

फरवरी माह के अंत में मौसम भी अपना रूख बदलने लगा है। दोपहर के समय धूप से जहां हल्की गर्मी का एहसास हो रहा है। वहीं, सुबह-शाम अब भी ठंड बरकरार है। अचानक तापमान में आए बदलाव से सर्दी-जुकाम व बुखार के मरीजों में इजाफा हो गया है। सुबह से ही अस्पतालों में पर्ची बनवाने के लिए मरीजों की लंबी लाइन लग रही है। चिकित्सकों की मानें तो मौसम व तापमान में आ रहे बदलाव के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है।

यह हैं वायरल के लक्षण

तेज बुखार आना, ठंड लगना, नाक से पानी आना, गले में खरास, हल्की खांसी वायरल के मुख्य कारण है। ऐसे में बुजुर्ग व बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

वायरल से बचाव के तरीके

वायरल से बचाव के लिए पानी को हल्का उबाल कर पीना चाहिए। घर के आसपास पानी जमा न होने दें। बुखार की शिकायत होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। रेस्टोरेंट में खाने से परहेज रखें। दिन में धूप या गर्मी लगने पर अचानक पूरे गर्म कपड़े पहनना न छोड़े। ठंडी तासीर वाली चीजें जैसे कोल्ड ड्रिंक और फ्रिज के पानी के सेवन से अभी परहेज रखें।

बच्चों के लिए सावधानी

- सुबह बच्चों को स्कूल भेजते समय पर्याप्त गर्मी कपड़े पहनाकर रखें
- बच्चों को आईसक्रीम, फास्टफूड या फ्रीज में रखा खाद्य पदार्थ न दें
- सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह ले।

आंदोलन के बाद भी रकम नहीं मिलने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लगातार आंदोलन के बाद भी ठगी गई रकम नहीं मिलने पर ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि सरकार को रकम वापस दिलवाने के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। जमाकर्ता परिवार के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव शास्त्री के नेतृत्व में ठगी पीड़ित तहसील परिसर में एकत्र हुए, जहां उन्होंने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री व वित्त सचिव को ज्ञापन प्रेषित किया। सुखदेव शास्त्री ने कहा कि निवेशकों ने अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई विभिन्न चिटफंड कंपनियों के झांसे में आकर जमा करवा दी। लेकिन, कंपनियों ने अपना कारोबार बंद कर दिया, जिस कारण निवेशकों का करोड़ों रूपया कंपनियों में फंस गया। कहा कि डूबी रकम वापस करने के लिए निवेशक लगातार मांग उठा रहे है। केंद्र सरकार ने बड्स एक्ट 2019 लागू किया था, जिसमें पीड़ितों को भुगतान करने के लिए तहसील स्तर पर भुगतान पटल बनाए जाने की व्यवस्था करवाई गई थी। जिन पटलों पर पीड़ितों ने विगत डेढ़ वर्ष पहले अपने आवेदन भी जमा करवाए गए हैं। लेकिन, अभी तक उनके आवेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। पीड़ितों ने भुगतान आवेदनों पर कार्यवाही कर डूबी रकम वापस दिलवाने की मांग की है। इस मौके पर गजे सिंह रावत, लक्ष्मी भारती, कल्पना रावत, उर्मिला कुकरेती, कलावती बिष्ट, इंदू देवी, कुसुम भट्ट, कुलवंत पुंडीर मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों को गिनवाई समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बीरोंखाल क्षेत्र पंचायत की बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों को मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया। अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों को जल्द से जल्द समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। बीरोंखाल ब्लाक सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। क्षेत्र पंचायत सदस्य शिशुपाल रावत ने पूर्वी नयार नदी पर पुल न बनने की शिकायत की। बताया कि पुल निर्माण के लिए ग्रामीण पिछले कई वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। बावजूद समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। ग्राम प्रधान राजकिशोर ने ग्रामीणों को सड़क निर्माण का मुआवजा नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। कहा कि अब तक उक्त सड़क पर डामरीकरण भी नहीं किया गया है। नतीजा, ग्रामीण कच्ची सड़क पर आवागमन के लिए मजबूर हो रहे हैं। ग्राम प्रधान अजय कुमार ने आमकलाऊ- धोबीघाट रोड पर नाली निर्माण नहीं होने पर रोष व्यक्त किया। ग्राम प्रधान जगमोहन ने थबड़िया मल्ला-नौलापुर रोड की मरम्मत करने व पुश्ता निर्माण की मांग रखी। क्षेत्र पंचायत सदस्य हीरा सिंह ने उफरैंखाल-भगवती तालिया मोटर मार्ग न बनने पर नाराजगी जताई। ग्राम प्रधान नीलम रावत ने बैजरो से तलाई मार्ग पर पुश्ता टूटने की शिकायत की। साथ ही टैक्सी स्टैंड के समीप लगे 11 केवी के विद्युत पोल को हटवाने की मांग उठाई। ग्राम प्रधान यशपाल सिंह ने सतपुली-बैजरो मार्ग चौड़ीकरण के दौरान निकलने वाले मलबे को खेतों में डालने की शिकायत की। कहा कि इससे ग्रामीणों के खेतों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने मलबा डालने के लिए डंपिंग जोन के लिए जगह चिह्नित करने की मांग की। ग्राम प्रधान श्वेता रावत ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य पूर्ण नहीं होने पर रोष व्यक्त किया। क्षेत्र पंचायत सदस्य संध्या देवी ने जंगली जानवरों द्वारा मारे गए पशुओं का मुआवजा नहीं देने पर नाराजगी जताई। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि दर्शन सिंह, उपजिलाधिकारी कृष्ण त्रिपाठी, लोकेश सारस्वत, शैलेंद्र रावत, सुदर्शन बटोला, विनीता रावत, वर्षा भारद्वाज, कुलदीप, यशपाल नेगी आदि मौजूद रहे।

आयुष का राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए हुआ चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शहर के सेंट थॉमस स्कूल के कक्षा 11वीं के छात्र आयुष भंडारी ने जिले का नाम रोशन किया है। आयुष ने राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के सब जूनियर वर्ग के तहत 120 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तरीय चैंपियनशिप के लिए उनका चयन हुआ है। छात्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधक फादर जीजो पालाथिंकल व प्रधानाचार्य सिस्टर सौमिनी ने उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कहा कि छात्र की मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से वह नेशनल के लिए चयनित हुआ है।

उत्तराखंड पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन देहरादून की ओर से बीते 22 फरवरी को ओपन वर्ग की पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप आयोजित की गई थी। इसमें 14-18 आयुवर्ग के सब जूनियर वर्ग में आयुष भंडारी ने स्वर्ण जीता। चैंपियनशिप में शामिल होने वाले वह जिले के एकमात्र खिलाड़ी हैं। राज्य स्तरीय इस चैंपियनशिप में पूरे प्रदेश के करीब 300 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने 175 किग्रा स्क्वाट, 92.5 किग्रा बेंच प्रेस व 205 किग्रा भार के साथ डेडलिफ्ट उठाकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

बताया कि अब राष्ट्रीय स्तरीय चैंपियनशिप आंध्र प्रदेश में 15 से 20 मई में आयोजित होगी। इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बताया कि बीते 8 फरवरी को सीएम चैंपियनशिप के तहत हुई राज्य स्तरीय पॉवरलिफ्टिंग के अंडर-19 आयुवर्ग में रजत पदक जीता था।

स्वास्थ्य केंद्र पाबौ में अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ में शुक्रवार से अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू हो गई है। पहले दिन 15 मरीजों की जांच की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी रेडियोलॉजिस्ट डॉ. शिवमोहन शुक्ला ने मरीजों की जांच की। क्षेत्रवासियों ने सुविधा शुरू होने पर खुशी जताई है। केंद्र में अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू होने से मरीजों को राहत मिल गई है। अब मरीजों को जांच के लिए शहरों का रूख नहीं करना पड़ेगा। सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि बीते शुक्रवार को तकनीकी कारणों से जांच शुरू नहीं हो पाई थी, लेकिन समस्या दूर होने के बाद सेवा बहाल कर दी गई है। अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू होने से अब स्थानीय मरीजों को जिला मुख्यालय या श्रीनगर की ओर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी। बताया कि पहले ही दिन 15 मरीजों की जांच कर स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर शुरुआत की गई। गौरतलब है कि इससे पहले भी जब जिला अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट अवकाश पर गए थे, तब भी सीएमओ डॉ. शुक्ला ने स्वयं जिम्मेदारी संभालते हुए मरीजों की जांच की थी।

शहीद मेले में दर्शन फरस्वाण की आवाज का दिखा जादू

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दुगड्डा में आयोजित शहीद मेले के दूसरे दिन सांस्कृतिक संध्या में लोक गायक दर्शन फरस्वाण के गीतों का जादू देखने को मिला। इस दौरान बच्चों के लिए भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गुरुवार शाम हुई सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ तहसीलदार साक्षी उपाध्याय ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके उपरांत लोक गायक व साथी कलाकारों ने अपने आवाज का जादू दिखाया। साथ ही सांस्कृतिक झांकियां भी प्रस्तुत की गई। दर्शन फरस्वाण व उनकी टीम ने हे नंदा हे गौरा..., हाय हाय झुमकी..., मोतिया मेरी प्यारी..., शिव जोगी जट्टाधारी... आदि प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। वहीं, शुक्रवार सुबह अंतिम दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिकाध्यक्ष शांति बिष्ट, सभासद अतुल अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने स्मृति वृक्ष के समीप पहुंचकर शहीद चंद्रशेखर आजाद व क्रांतिकारी भवानी सिंह को श्रद्धांजलि देकर किया। इस दौरान नगर पालिका अधिशासी अधिकारी जेपी जोशी ने दुगड्डा रेंज के अधिकारी रमेश चंद्र सिंह नेगी को स्मृति स्थल के विकास के लिए नगर पालिका को अनुमति देने का अनुरोध किया। इस मौके पर रेनू सुंदरियाल, सुनीता देवी, अंशु जैन, गिरीश गौड़, दीपक ध्यानी, प्रमोद अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

दुगड्डा में चल रहे शहीद मेले के दूसरे दिन आयोजित सांस्कृतिक संध्या के दौरान लोकगायक दर्शन फरस्वाण के गीतों पर झूमते लोग

एलिवेटेड मार्ग नहीं बनने तक जारी रहेगा आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भले ही उच्चतम न्यायालय की ओर से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को हरी झंडी मिल चुकी हो। लेकिन, मार्ग निर्माण को लेकर धरने पर डटे लोग मार्ग एलिवेटेड बनाने से नीचे कोई समझौता नहीं करना चाहते। मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर लोगों का धरना जारी है। लोगों ने मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी है।मार्ग निर्माण को लेकर पिछले कई माह से स्थानीय लोग चिल्लरखाल वन चौकी के समीप धरना दे रहे हैं। 12 फरवरी को उच्चतम न्यायालय ने मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी। लेकिन, धरने पर डटे लोगों ने धरातल पर मार्ग एलिवेटेड नहीं बनने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी है। प्रवीन थापा ने बताया कि लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग कोटद्वार के विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। ऐसे में न्यायालय ने कुछ शर्तों के साथ मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी है। लेकिन, स्थानीय लोग केवल एलिवेटेड मार्ग ही चालते हैं। इससे नीचे कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। कहा कि मार्ग को व्यवसायिक वाहनों के आवागमन के लिए खोला जाना भी अति आवश्यक है। यदि मार्ग एलिवेटेड बनता है तो स्थानीय लोगों को इसका बेहतर लाभ मिलेगा।

कोटद्वार के चिलरखाल मोटर मार्ग में धरने पर डटे स्थानीय लोग

होली और रमजान में हुड़दंग मचाने वालों की खैर नहीं

श्रीनगर गढ़वाल : होली पर्व और रमजान के मद्देनजर शुक्रवार को कोतवाली श्रीनगर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीओ सदर अनुज कुमार ने की। सीओ ने कहा कि होली और रमजान दोनों ही महत्वपूर्ण पर्व हैं। ऐसे में सभी समुदायों की जिम्मेदारी है कि शहर में शांति और सौहार्द का वातावरण बनाए रखें। कहा कि पुलिस प्रशासन 24 घंटे जनता की सेवा के लिए तैयार है। किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें, किसी भी प्रकार की सूचना हो तो तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि हुड़दंग, शराब पीकर वाहन चलाने, डीजे के माध्यम से अशांति फैलाने या कानून व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में व्यापार सभा पदाधिकारी, नगर निगम के पार्षद, मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि एवं अन्य सामाजिक संगठनों के सदस्य मौजूद रहे। (एजेंसी)

हत्या के दोषी को हुई आजीवन सश्रम कारावास की सजा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पत्थर से वार कर युवक की हत्या के आरोपी को सत्र न्यायाधीश पौड़ी धर्म सिंह की अदालत ने दोषी करार देते हुए आजीवन सश्रम कारावास और पांच जार के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर दोषी को दो महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। आरोपी घटना के बाद से ही जेल में है।

मामला 26 जून 2021 का है। थाना थलीसैंण क्षेत्र के चोरखिंडा गांव में एक दुकान के पास हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। आरोप है कि ग्रामीण मनोहर सिंह उर्फ मनोज ने गुस्से में आकर रामपाल सिंह के सिर पर पत्थर से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल रामपाल को पहले स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। बाद में इलाज के लिए एम्स ऋषिकेश रेफर हुआ, जहां 28 जून 2021 को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की मां बिला देवी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी यह स्पष्ट हुआ कि रामपाल की मृत्यु सिर में गंभीर चोट लगने के कारण हुई। अदालत में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 15 गवाह पेश किए जिनमें प्रत्यक्षदर्शी, चिकित्सक और जांच अधिकारी शामिल थे। गवाहों के बयानों और मेडिकल साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए न्यायालय ने आरोपी को हत्या का दोषी करार दिया। आरोपी घटना के बाद से ही जेल में है।

अधिकारी करेंगे ग्राम पंचायतों का भ्रमण

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जनपद स्तरीय अधिकारी विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेंगे। इस दौरान अधिकारी ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निराकरण करेंगे। साथ ही सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराएंगे। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशन में उक्त कार्यक्रम को लेकर माह मार्च हेतु रोस्टर जारी किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि आम जनमानस की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही निस्तारण हो सके। इसी के दृष्टिगत जनपद स्तरीय अधिकारी ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे, ताकि उनकी समस्याओं को सुनने व समाधान करने के साथ-साथ ग्रामीणों को सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराया जा सके। उन्होंने बताया कि माह मार्च हेतु जारी रोस्टर के अनुसार उप वन संरक्षक रजत सुमन, जिला सूचना अधिकारी वीरेश्वर तोमर एवं जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. दीपा तिलारा विकासखंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत स्यूंड में ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे।

विभाग ने लिए खाद्य पदार्थों के सैंपल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : होली पर्व पर खाद्य पदार्थों की जांच को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग का अभियान जारी रहा। इस दौरान दूध, मिठाई सहित अन्य खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा गया।खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप मिश्रा व रचना लाल ने झंडाचौक, नजीबाबाद रोड, स्टेशन रोड सहित अन्य स्थानों पर अभियान चलाया। टीम ने रेस्टोरेंज व मिठाई की दुकानों से विभिन्न खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए। अभियान के दौरान उपभोक्ताओं को भी खाद्य सुरक्षा को लेकर जागरूक किया गया। कहा कि बिना एक्सपायरी डेट देखे कोई भी सामान न खरीदें। साथ ही खुले में रखे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

बच्चों को खिलाई एनीमिया से बचाव की दवा

जयनत प्रतिनिधि। कोटद्वार : एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत पब्लिक इण्टर कालेज सुरखेत में 162 छात्र-छात्राओं को एनीमिया से बचाव हेतु आयरन-फोलिक एसिड की गोलियां खिलाई गयी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने जानकारी देते हुए बताया कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में शुरू किया गया, जिसका लक्ष्य महिलाओं, बच्चों और किशोरों में एनीमिया को कम करना है। एनीमिया मुख्य तौर पर तब होता है जब खून में हीमोग्लोबिन या लाल रक्त कोशिकाएं पर्याप्त मात्रा में नहीं बन पाती या जल्दी नष्ट हो जाती हैं। इसका कारण शरीर में आयरन की कमी, फोलिक एसिड या विटामिन बी 12 की कमी, कृमि संक्रमण, पोषण आहार की कमी और आनुवंशिक बीमारियां थैलीसीमिया व सिकल सेल हैं। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत विद्यालय के 162 छात्र-छात्राओं को आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंट देने में यूथ एवं ईको क्लब और एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों ने सहयोग किया।

आयोजित कार्यशाला में बच्चों को जानकारी देते शिक्षक

सहकारिता योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

डीएम ने ली जिला सहकारी विकास समिति की बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को सहकारिता विभाग के अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए योजनाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी एजेंडा विषयों पर स्पष्ट कार्ययोजना बनाकर निर्धारित दिशा में कार्य सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अनाज भंडारण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर देते हुए अन्न भंडारण गोदामों की मरम्मत तथा पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त गोदामों के पुनर्निर्माण हेतु शीघ्र प्रस्ताव तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि मजबूत भंडारण व्यवस्था से किसानों को सीधा लाभ मिलेगा तथा फसल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। बैठक में एमपैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों) की भूमिका पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि गठित एमपैक्स के माध्यम से ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ठोस पहल करें। उन्होंने कहा कि सहकारिता समितियों के माध्यम से ऋण, बीज, उर्वरक एवं अन्य सुविधाओं की उपलब्धता को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। बैठक में अपर जिला सहकारी अधिकारी सतबीर सिंह पंवार ने बताया कि जनपद में वर्तमान में 48 एमपैक्स कार्यरत हैं।

सभी समितियों का ई-ऑडिट कार्य पूर्ण कर ई-सर्टिफिकेट जारी किए जा चुके हैं। साथ ही सभी 48 एमपैक्स का पंजीकरण जन सुविधा केंद्रों में किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 28 नए एमपैक्स गठन का लक्ष्य निर्धारित था, जिसे शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है।

सरकार ने कृपा नहीं मजबूरी में किया अस्पताल उच्चीकृत: आर्य

नई टिहरी। पूर्व विधायक भीम लाल आर्य ने कहा कि पिलखी अस्पताल के उच्चीकरण में स्थानीय जनता के जन आंदोलन का दबाव काम आया। अस्पताल उच्चीकृत कर सरकार ने जनता पर कोई कृपा नहीं की। लंबे संघर्ष के बाद सरकार को उच्चीकरण करने के लिए मजबूर होना पड़ा। कहा अलावा आपदा पुनर्निर्माण कार्य ने होने से घनसाली क्षेत्र के लोग परेशान हैं। पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक आर्य ने कहा कि घनसाली के लोग उप जिला चिकित्सालय की लगातार मांग कर रहे हैं। लेकिन सरकार ने पीएचसी पिलखी को सीएचसी बनाकर झुनझुना थमा दिया है। आरोप लगाया कि बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के कारण क्षेत्र में चार लोगों की मौत हो चुकी है। सीएचसी बेलेश्वर मानकों के अनुरूप नहीं है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	309-DRM-MB-25-26 DATE 27.02.2026	310-DRM-MB-25-26 DATE 27.02.2026
कार्य का नाम	White Washing, Color Washing, Distempering, Painting & Writing of Staff Quarters and Service Buildings & other Misc. Works under ADEN/BE	Upgradation/ Modernisation of infrastructure at Rampur Goods Shed.
टेन्डर क्लोजिंग दिनांक/समय	23.03.2026 at 16:00 Hrs	23.03.2026 at 16:00 Hrs
अनुमानित लागत	89,99,118.31	6,77,90,138.93
धरोहर राशि	1,40,000.00	4,39,000.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	09.03.2026	09.03.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 Months	10 Months

नं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक 27.02.2026 677/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

बौराड़ी जिला अस्पताल में 28 फरवरी से शुरू होगा एचपीवी टीकाकरण अभियान

नई टिहरी। जिला चिकित्सालय बौराड़ी में आज 28 फरवरी को सुबह 11 बजे से एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। जानकारी देते हुए सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने बताया कि टीकाकरण अभियान का उद्देश्य 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस), सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करना है। सीएमओ ने कहा कि यह टीकाकरण किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने सभी अभिभावकों से कहा है, कि वह अपनी पात्र बालिकाओं को टीकाकरण के लिए, जिला चिकित्सालय और अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर अवश्य लेकर जाएं। सीएमओ ने बताया कि जिला अस्पताल के अलावा जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और कुछ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण किया जाएगा। इस आयु वर्ग में पहुंचने वाली सभी किशोरियों का टीकाकरण निरंतर चलता रहेगा।

चंद्रापुरी में 123, सिद्धसौड़ में 247 घोड़ा–खच्चरों की हुई स्वास्थ्य जांच

रुद्रप्रयाग। आगामी केदारनाथ यात्रा के मद्देनजर शुक्रवार को चंद्रापुरी और सिद्धसौड़ में घोड़ा–खच्चरों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। चंद्रापुरी में कुल 139 घोड़े–खच्चरों को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लाया गया जिनमें से 129 पशु ही मेडिकल में फिट मिले और 10 अनफिट मिले। शिविर में 123 पशुस्वामियों ने पशुओं का बीमा कराया और उन्हें लाइसेंस जारी किए गए। बाकी छह पशु स्वामी धन की कमी के कारण बीमा नहीं करा पाए। पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सत्येंद्र सिंह यादव व पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव गोयल ने बताया कि 123 घोड़े–खच्चरों को ही फिटनेस मानकों के आधार पर लाइसेंस जारी किए गए हैं। वहीं सिद्धसौड़ में 247 घोड़े–खच्चरों का स्वास्थ्य परीक्षण और बीमा करने के बाद पंजीकरण किया गया। यात्रा से पूर्व पंजीकरण और मेडिकल सर्टिफिकेशन अनिवार्य है।

छवि धूमिल करने को दर्ज कराया था झूठा प्रकरण : चौहान

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव के दौरान बिना अनुमति जनसभा करने के आरोप में दर्ज मामले में त्रिभुवन चौहान को बाह्य न्यायालय ऊखीमठ ने दोषमुक्त कर दिया है। त्रिभुवन चौहान ने कहा कि यह सत्य की जीत है। केदारनाथ उपचुनाव के समय उनकी बढ़ती लोकप्रियता से राजनीतिक विरोधियों में बेचैनी थी जिस कारण उनकी छवि धूमिल करने और राजनीतिक रूप से कमजोर दिखाने के उद्देश्य से झूठा प्रकरण दर्ज कराया गया। कहा कि लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता ही करती है। कहा कि आगामी 2027 के चुनावों में उनकी सक्रियता कुछ लोगों के लिए सिरदर्द साबित होने वाली है।

इलाहाबाद से शैक्षिक व सांस्कृतिक भ्रमण कर लौटे प्राध्यापक

चमोली। उत्तराखंड के 40 प्राध्यापकों का दल शैक्षिक व सांस्कृतिक अध्ययन भ्रमण कर इलाहाबाद से लौट आया है। दल में श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय परिसर गोपेश्वर के दो प्राध्यापक शामिल रहे। पीजी कॉलेज के प्राध्यापकों ने बताया कि प्रदेश के 40 प्राध्यापक इस दल में शामिल रहे। यह भ्रमण 16 फरवरी से 21 फरवरी तक इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराज में संपन्न हुआ। दल ने वहां त्रिवेणी संगम, इलाहाबाद किला, आनंद भवन, खुसरो बाग, सरस्वती घाट, हनुमान मंदिर, इलाहाबाद संग्रहालय का अवलोकन किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान भी सुने।

स्वामी विवेकानंद की ध्यान मूर्ति स्थापित करने की मांग

चमोली। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य भुवन नौटियाल ने नगर में स्वामी विवेकानंद की ध्यान मूर्ति और लाइब्रेरी स्थापित करने की मांग की। उन्होंने इस संबंध में गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी को मांगपत्र सौंपा। कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कर्णप्रयाग में 18 दिनों की तपस्या की थी। नौटियाल ने नगर में पासपोर्ट कार्यालय खोलने और ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन का उद्घाटन आगामी 4 मार्च 2027 को वीसी दरवान सिंह नेगी जी जयंती पर करने की मांग भी की। इसके साथ ही उन्होंने कर्णप्रयाग, श्रीनगर और ऋषिकेश स्टेशनों के नाम क्रमशः वीसी दरवान सिंह नेगी, स्वामी मनमंथन और वीसी गबर सिंह नेगी के नाम पर रखने का भी प्रस्ताव दिया।

मुख्यमंत्री ने चम्पावत को दी 74.54 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

5 योजनाओं का लोकार्पण और 4 महत्वपूर्ण योजनाओं का किया शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि।

चम्पावत : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व प्रसिद्ध माँ पूर्णागिरि मेला-2026 का भव्य शुभारंभ के अवसर पर जनपद चम्पावत के विकास को नई ऊंचाई देने के लिए कुल 7454.74 लाख (74.54 करोड़ रुपये) की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर जनता को समर्पित किया।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, जनजातीय कल्याण और पर्यटन को मजबूती देने वाली पांच प्रमुख योजनाओं का लोकार्पण किया, जिसमें चलथी नदी पर दो लेन सेतु टनकपुर-जौलजीवी मोटर मार्ग पर चलथी नदी के ऊपर 5014.00 लाख की लागत से निर्मित 690 मीटर लंबे प्री-स्ट्रेस्ड मोटर सेतु का लोकार्पण, ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत बुक्सा एवं राजी जनजाति के उत्थान हेतु ग्राम खिरद्वारी में 60 लाख की लागत से निर्मित बहुउद्देशीय भवन, 659 लाख की लागत से राजकीय पशु प्रजनन फार्म, नरियाल गांव (चम्पावत) के विकास कार्यों के प्रथम चरण तथा गुरु गोरखधाम में 271.39 लाख से विकसित पर्यटक अवस्थापना सुविधाएं तथा श्यामलाताल क्षेत्र को ईको-टूरिज्म हब बनाने हेतु 490.94 लाख के लेक फ्रंट डेवलपमेंट कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री द्वारा 959.49 लाख की 04 नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी गई, जिसमें चम्पावत विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विधायक निधि से स्वीकृत 498.50 लाख के विभिन्न जनोपयोगी निर्माण कार्य के साथ ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा तहसील बाराकोट के अनावासीय भवन का निर्माण कार्य (लागत 302.50 लाख), मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत ब्रिडकुल (दपज पिथौरागढ़) द्वारा एड़ी मेला स्थल, कालूखान का सौंदर्यकरण कार्य (लागत 81.50 लाख), नगर पंचायत बनबसा में मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में 76.90 लाख की लागत से बनने वाले पार्क का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ चम्पावत को एक आदर्श जनपद बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। आज लोकार्पित और शिलान्यास की गई ये योजनाएं स्थानीय स्तर पर रोजगार, पर्यटन और आवागमन की सुविधाओं को सुदृढ़ करेंगी। माँ पूर्णागिरि का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे और हम उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ें।

बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन तैयार करें कारीगर : विनोद कुमार

नई टिहरी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नई टिहरी में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत विपणन एवं उद्यमिता अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं व कारीगरों को कौशल उन्नयन, औजार प्रोत्साहन सहायता, ऋण सुविधा, डिजिटल लेन–देन, उत्पाद की ब्रांडिंग करने की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक निदेशक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास कार्यालय हल्द्वानी विनोद कुमार, संस्थान की प्रधानाचार्य पल्लवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। सहायक निदेशक विनोद कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना। उनकी विपणन क्षमता को सुदृढ़ करना, उद्यमिता कौशल का विकास करना है। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को कौशल प्रशिक्षण, औजार खरीदने के लिए प्रोत्साहन राशि और ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। उद्यम पंजीकरण करने की जानकारी दी। कहा कि पंजीकरण के माध्यम से कारीगर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। बताया उद्यमिता में प्रभावी विपणन रणनीति और वित्तीय साक्षरता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि कारीगर बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करें और डिजिटल माध्यमों से लेन–देन को अपनाएं तो वे अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। प्रधानाचार्य पल्लवी ने कहा कि वर्तमान समय में सतत कौशल उन्नयन की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं और कारीगरों से अधिक से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़ने की अपील की, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। अपने उत्पादों को बाजार उपलब्ध करा सकें। इस मौके पर डीआरडीए के आशीष शर्मा, नेहा भारद्वाज, एबीआई के कुणाल रैना, जिला उद्योग केंद्र के राहुल सिंह आदि मौजूद रहे।

सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर फोकस है सरकार का ध्यानः दीप्ति रावत

नई टिहरी। भाजपा प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओ से संवाद करते हुए जिले में संचालित विकास योजनाओं की जानकारी ली। जिलाध्यक्ष उदय रावत ने उन्हें बताया कि संगठन के सभी मोची का गठन विस्तार किया जा चुका है। आज शनिवार को जिला स्तरीय कार्यशाला होगी। जिसके बाद मंडलों में प्रशिक्षण कार्यशालाएं होगी। जिले में संचालित सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। प्रदेश महामंत्री रावत ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से टिहरी झील क्षेत्र का 12 सौ करोड़ की लागत से विकास किया जा रहा है। रिंग रोड का काम शुरू हो गया है। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन का काम भी तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश सरकार गांव से लेकर शहरों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जिसमें सड़क,शिक्षा,स्वास्थ्य,पर्यटन विकास लेकर युवाओं को सरकारी नौकरी देने का काम भी शामिल है। दिसंबर से 45 दिनों तक जन–जन की सरकार जन–जन के द्वार अभियान चलाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचने में हर कार्यकर्ता सहयोग करें। इस मौके पर युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री मुलायम सिंह रावत,जिला महामंत्री बलवंत रावत,जयेंद्र सेमवाल,नगर पालिकाध्यक्ष शोभनी धनोला,युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनीष राणा,महिला मोर्चा की जिला महामंत्री लीला मखलोगा,अनीता कोठारी,मंडल अध्यक्ष अनीता भट्ट,डॉ.प्रमोद उनियाल,डॉ.भान सिंह नेगी,अतर सिंह तोमर,सतवीर पुंडीर,आरती सेनवान, सुमित रावत,वीरेंद्र सेमवाल,सोहनवीर सजवाण आदि मौजूद रहे।

तिमली सेरा में पत्थरों के चुगान का ग्रामीणों ने किया विरोध

नई टिहरी। हेंवल नदी के तिमली सेरा में निजी कंपनी द्वारा पत्थरों के चुगान का स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध किया है। मामले में उन्होंने डीएम नितिका खंडेलवाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। कहा कि सबसे पहले आपदा प्रभावित ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाए। हेंवलघाटी क्षेत्र के ग्रामीण पर्यावरणविद विजय जड़धारी और ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय मैठाणी के नेतृत्व में डीएम से मिले। उन्होंने डीएम को ज्ञापन सौंपकर बताया कि गाजियाबाद की एक निजी कंपनी हेंवल नदी के तिमली सेरा में पत्थरों का चुगान कर रही है। जो उचित नहीं है। कहा कि बीते सितंबर माह में आपदा के कारण तिमली सेरा में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ। थान, कुमाली आदि गांव के कई लोगों के मकान, दुकान क्षतिग्रस्त हो गए थे। खेत बह गए और सिंचाई नहरें, पेयजल लाइनें भी टूट गई थी।

मुख्यमंत्री ने किया प्रदेश के प्रथम महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण

256 करोड़ की लागत से जनपद चम्पावत के छमनिया में बन रहा महिला स्पोर्ट्स कॉलेज

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : जनपद चम्पावत के लोहाघाट क्षेत्र स्थित छमनिया में लगभग 256 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन राज्य के प्रथम महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तृत अवलोकन करते हुए कार्यदायी संस्था एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्त कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन फुटबॉल ग्राउंड, एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक सहित अन्य खेल मैदानों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही खिलाड़ियों हेतु 300 बालिकाओं की क्षमता वाले छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, प्रशासनिक भवन, एकेडमिक ब्लॉक, मल्टीपर्पज हॉल, ऑडिटोरियम एवं गेस्ट हाउस के निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोहाघाट में स्थापित हो रहा यह महिला स्पोर्ट्स कॉलेज प्रदेश की बेटियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं प्रदान करेगा। यहां विकसित की जा रही सभी खेल व्यवस्थाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगी, जिससे प्रदेश की महिला खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने कहा कि यह संस्थान प्रशिक्षण, शिक्षा एवं आवास की समग्र व्यवस्था उपलब्ध कराते हुए विशेष रूप से ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों की प्रतिभाशाली बालिकाओं को आगे बढ़ने का सशक्त मंच प्रदान करेगा। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री, सांसद अजय टम्टा सहित अधिकारी उपस्थित थे।

जनपद की स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था होगी सुदृढ़ : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने सीएसआर मद से प्राप्त दो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयन्त प्रतिनिधि।

चम्पावत : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए बहल पेपर मिल द्वारा उपलब्ध कराए गए दो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन जनपद की स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री ने टनकपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हरी झंडी दिखाकर दोनों वाहनों को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया। इसमें से एक वाहन चिकित्सा विभाग को सौंपा गया है, जिससे आपातकालीन स्थितियों और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुदूर क्षेत्रों तक आसान हो सकेगी। वहीं, दूसरा वाहन राजकीय इंटर कॉलेज, मंच के लिए आवंटित किया गया है, जो विद्यालय के शैक्षणिक कार्यों और छात्र-छात्राओं की आवश्यकताओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बहल पेपर मिल के इस सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि विकास कार्यों में कॉरपोरेट जगत की भागीदारी अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएसआर मद से प्राप्त ये वाहन निश्चित रूप से स्थानीय स्तर पर सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाएंगे। इस अवसर पर मा सांसद अजय टम्टा, अध्यक्ष, जिला पंचायत चम्पावत आनंद सिंह अधिकारी, उपाध्यक्ष पुष्पा विश्वकर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, पूर्णागिरि मंदिर समिति के अध्यक्ष किशन तिवारी, उपाध्यक्ष भुवन पांडे, जिला पंचायत सदस्य सरस्वती चंद, नगर पालिका अध्यक्ष टनकपुर विपिन कुमार, जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान आदि मौजूद रहे।

गतिशक्ति जैसी परियोजनाएं विकसित भारत के लिए मील का पत्थर साबित होंगी: प्रो. वर्मा

नई टिहरी। विजन फॉर विकसित भारत 2047 विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में की–नोट स्पीकर एचनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के प्रो. केके वर्मा ने कहा कि विकसित भारत एक हासिल करने योग्य सपना है। इसके लिए भारत सरकार ने अवस्थापना और गतिशक्ति के क्षेत्र में कई परियोजनाएं शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा कि एसबीआई और रिसर्च इकोरैप 2023 की रिपोर्ट में बताया गया है, कि भारत 2027 में विश्व की तीसरे नंबर की आर्थिक शक्ति बन जाएगा। नरेंद्रनगर महाविद्यालय में आयोजित विजन फार विकसित भारत विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दूसरे दिन पीजी कॉलेज बड़कोट की प्रो. अंजू भट्ट ने कहा कि देश में 14 से 18 वर्ष के युवाओं की 25 प्रतिशत आबादी आज भी दूसरी कक्षा की पुस्तक को नहीं पढ़ सकते हैं, इसलिए युवा केंद्रित विकसित भारत के लिए शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत करना जरूरी है। ऋषिकेश परिसर के प्रो. अशोक मैंदोला ने कहा कि विकसित भारत के लिए भाषाओं का संरक्षण भी जरूरी है। इस दौरान सात शोधार्थियों ने ऑफ लाइन और सौ ने ऑन लाइन अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

कोटी कॉलोनी में छह से नौ मार्च तक होगा हिमालय ओटू महोत्सव

नई टिहरी, हिमालय ओटू टिहरी झील महोत्सव से आमजन को जोड़ने के लिए इस बार कोटीकॉलोनी में मुख्य कार्यक्रम के अलावा टिहरी जिले की सभी छह विधानसभाओं में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। छह से नौ मार्च तक आयोजित महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम में अलावा मास्टर शेफ, फोटोग्राफी, फैशन शो, राफ्टिंग, पेंटिंग, ट्रैकिंग, पतंग महोत्सव,गंगा आरती और फुटबाल प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी। सभी प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए इनामी राशि तय की गई है। जिससे जिलेभर में महोत्सव को लेकर उत्साह का वातावरण बना हुआ है। जिला सूचना विभाग में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि टिहरी झील महोत्सव को भव्य रूप देने की तैयारी है। सीएम की अनुमति के बाद हिमालय ओटू का कार्यक्रम जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किए जा रहे हैं। इसके लिए बेहतर स्थान चिह्नित किए गए हैं। महोत्सव जिला मुख्यालय में कराने पर भी विचार किया गया। लेकिन इन दिनों अधिकतर बच्चों की बोर्ड परीक्षाएं चल रही है, इस कारण मुख्य कार्यक्रम कोटीकॉलोनी में ही रखा गया है। लेकिन भविष्य में कोटीकॉलोनी में वाटर स्पोर्ट्स और महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम नई टिहरी में कराने का प्रयास किया जाएगा। महोत्सव में प्रशासनिक, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को भी सम्मानित किया जाएगा। बताया कि टिहरी महोत्सव में करीब चार करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। इस महोत्सव को आयोजित करने के लिए अगली बार उत्तराखंड के निवासियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

पलायन से गांव खाली हो रहे , सभी को अपने गांवों को बचाने की आवश्यकता : सांसद बलूनी

चमोली। सांसद अनिल बलूनी ने नगर पालिका की ओर से कर्ण मंदिर परिसर में लगाए गए 100 फीट ऊंचे तिरंगे और गेट का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पलायन से गांव खाली हो रहे हैं। हम सभी को अपने गांवों को बचाने की आवश्यकता है। आगामी वर्षों में ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेलवे लाइन निर्माण होने से यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और लोगों का आवागमन आसान होगा। उन्होंने कहा कि जल्द गैरसैंण में केंद्रीय विद्यालय और जिले में मेडिकल कॉलेज की जल्द खुशखबरी मिलेगी। इस दौरान उन्होंने नगर के लिए एक इंडोर स्टेडियम की घोषणा भी की। नगर पालिका की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सांसद अनिल बलूनी के पहुंचने पर ममंद, कीर्तन मंडली, यूथ फिजिकल एकेडमी ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बीते बृहस्पतिवार को इस्राइल दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड की पहाड़ी टोपी पहनी थी जो उनके उत्तराखंड के प्रति स्नेह को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि जनगणना में लोग अपने गांव में नाम चढ़वाएं और गांव में ही वोट करें। खाली पड़े गांवों में समय–समय पर आएं।

सीमांत हिमालयी क्षेत्र का भ्रमण कर लौटा छात्रों का दल

चमोली। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट जीआईसी रडुवा के 10 छात्रों का दल पांच दिवसीय एडवेंचर टूर एवं नेचर स्टडी कैंप से लौट आया है। छात्रों ने भ्रमण के दौरान हिमालय की संरचना सहित वहां के पारिस्थितिकी तंत्र का अध्ययन किया। कक्षा 11वीं के छात्र 22 फरवरी को भूगोल प्रवक्ता दुर्गा प्रसाद कुमेड़ी के नेतृत्व में कैंप के लिए रवाना हुए थे। छात्रों का दल चिपको नेत्री गौरा देवी के पैतृक गांव रैणी पहुंचा। जहां पर्यावरण संरक्षण को लेकर जानकारी हासिल की।

इसके अलावा रॉक क्लाइंबिंग, माउंटेनियरिंग, ट्रैकिंग जैसी गतिविधियों का प्रशिक्षण लिया। नीती क्षेत्र के गांवों में भ्रमण के दौरान वहां की लोक संस्कृति, वेशभूष, खान–पान, रीति–रिवाजों की जानकारी हासिल की। टूर के अंतिम दिन छात्रों ने औली में स्कीइंग का भी अनुभव लिया। जिला शिक्षाधिकारी (माध्यमिक) श्रीकांत पुरोहित ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। छात्रों ने सगंध एवं औषधीय पादपों के महत्व को भी समझा।

पेंटिंग में आराध्या, निबंध में प्रियांशी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : शुक्रवार को समाज कल्याण विभाग चमोली द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना के अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान सुरक्षा व स्वास्थ्य हेतु राजकीय वृद्ध एवं अशक्त आवास गृह गोपेश्वर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 30 वृद्ध जनों का स्वास्थ्य विभाग के द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण, दवाई वितरण किया गया। इस मौके पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में गुरु राम राय पब्लिक स्कूल की बालिका आराध्या नेगी प्रथम, आराध्या बिष्ट द्वितीय तथा केन्द्रीय विद्यालय गोपेश्वर के बालक अंशुल तृतीय स्थान पर रहे। निबंध प्रतियोगिता में सुबोध प्रेम विद्या मंदिर की बालिका प्रियांशी पुंडीर प्रथम, भाषण प्रतियोगिता

में बालिका प्रियांशी ने प्रथम एवं धीरज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर वृद्ध जनों ने बताया कि विभाग के द्वारा समय-समय पर वृद्धजनों हेतु विभागीय कल्याणकारी योजनाओं जैसे वृद्धावस्था पेंशन का लाभ निरंतर प्रदान किया जा रहा है। अटल वयोवृद्ध योजना के अंतर्गत जिला चिकित्सालय में वृद्ध जनों हेतु निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी का भी निरंतर आयोजन किया जा रहा है। जिसमें वर्तमान तक 80 वृद्ध जनों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया है। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी धनंजय सिंह लिंगवाल, अपर जिला समाज कल्याण अधिकारी हर्षवर्धन भट्ट, सहायक समाज कल्याण अधिकारी सुनील नेगी, अधीक्षक वृद्ध आश्रम हरपाल सिंह रौथाण, वरिष्ठ सहायक रोहित प्रकाश, डीएस बर्त्वाल सेवानिवृत्त वन दरोगा, बाल संरक्षण अधिकारी रजनी पंवार, परियोजना समन्वयक राजीव नौटियाल, रजत प्रकाश, हरेन्द्र सिंह नेगी, विजय कुमार शाह, बाल संरक्षण इकाई से सोनम काउंसलर, सुलेखा सामाजिक कार्यकर्ता, एनईएच प्रोडक्शन से सुनील पुंडीर आदि उपस्थिति थे।

ज्योतिर्मठ में निकाली आक्रोश रैली, बाजार भी रहा बंद

चमोली। पैनखंडा समुदाय को केंद्र के अन्य पिछड़ा वर्ग की ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग के लिए लोगों ने ज्योतिर्मठ बाजार में आक्रोश रैली। रैली में भारी संख्या में जन सैलाब उमड़ा। लोगों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ कड़ा आक्रोश जताया। उन्होंने 15 दिनों ने सरकार की ओर से इस संबंध में प्रस्ताव केंद्र को नहीं भेजे जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। व्यापारियों ने भी विरोध स्वरूप दोपहर आधे दिन तक बाजार बंद रखा। ज्योतिर्मठ में पैनखंडा संघर्ष समिति की ओर से शुक्रवार को प्रस्तावित विशाल आक्रोश रैली में भारी संख्या में लोग एकजुट हुए। इसके बाद रैली बदरीनाथ स्टैंड से शुरू होकर मारवाड़ी चौक होते हुए तहसील परिसर पहुंची। यहां लोगों ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। वक्ताओं ने कहा कि 100 दिनों तक चले आंदोलन के बाद वर्ष 2016 में पैनखंडा को राज्य की अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल किया गया लेकिन नौ साल बाद भी पैनखंडा समुदाय को केंद्रीय सूची में शामिल नहीं किया गया है। समिति के अध्यक्ष भरत कुंवर ने कहा कि राज्य के ओबीसी आयोग ने आज तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की है। उन्होंने जल्द से जल्द इस मामले को प्रदेश सरकार की संस्तुति के साथ केंद्र को भेजने की मांग की। कहा कि यदि 15 दिनों में केंद्र को प्रदेश सरकार की ओर से प्रस्ताव नहीं भेजा गया तो धरना–प्रदर्शन के साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा। वहीं विरोध स्वरूप नगर के व्यापारियों ने दोपहर एक बजे तक बाजार बंद रखा। आक्रोश रैली में ज्योतिर्मठ नगर से ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष देवेश्वरी शाह, ब्लॉक प्रमुख अनूप नेगी, उर्गम वार्ड से जिला पंचायत सदस्य रमा राणा, ओम प्रकाश डोभाल, अमित सती, अजीतपाल रावत, कुशल कम्दी, सुखदेव बिष्ट, भगवती प्रसाद नंबूरी सहित बड़ी तादाद में लोग मौजूद रहे।

बजट सत्र के लिए सभी थाना क्षेत्रों में व्यवस्थाएं करें दुरुस्त

चमोली। पुलिस अधीक्षक सुरजीत पंवार ने भराड़ीसैंण में प्रस्तावित बजट सत्र के लिए सभी थाना क्षेत्रों में व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही चारधाम यात्रा की भी तैयारियां समय पर पूरी करते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि बजट सत्र को देखते हुए थाना प्रभारी अपने–अपने क्षेत्रों में व्यवस्थाओं का पूर्वाभ्यास कर लें। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले पुलिस बल के लिए की जाने वाली व्यवस्था के साथ संवेदनशील व अति संवेदनशील क्षेत्रों में बैरिकेटिंग लगाने के लिए पूरी तैयारी कर ली जाए। एसपी ने चारधाम यात्रा को सफल और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए व्यापक रणनीति बनाने पर जोर दिया। यात्रा रूट पर पड़ने वाली पुलिस चौकियों, चेक पोस्ट व बैरियर्स जो जीर्णशीर्ण हैं उनकी समय पर मरम्मत करवा लें। उन्होंने नए पार्किंग स्थलों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। कहा कि हाईवे पर अनावश्यक रूप से पड़े मलबे को हटवाया जाए। एसपी ने होली को देखते हुए सभी थानों में पुख्ता तैयारी रखने, बाजारों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखने को कहा। विगत माह ड्यूटी के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया। गोष्ठी में पुलिस उपाधीक्षक चमोली मदन सिंह बिष्ट, पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग त्रिवेंद्र सिंह राणा सहित सभी थाना प्रभारी, अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com